सावन, मास , वर्ष-10, अंक 133, पृष्ठ- 8, मूल्य : 02 रुपये

प्रयागराज, गुरुवार 01 अगस्त, 2024

TM

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष मे प्रसारित

Adhunik Samachar

नगर संस्करण

10 वर्ष विश्वास के

आई.टी.आई में सीधे प्रवेश

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रवेश कार्यालय का हुआ उद्घाटन

नैनी। नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद के प्रवेश कार्यालय का हुआ उद्घाटन भारत सरकार द्वार मान्यता प्राप्त नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद प्रवेश कार्यालय का सिविल डिफेंस प्रयागराज के मंडल अधिकारी रौनक गुप्ता के द्वार किया गया प्रशिक्षण केंद्र के प्रवेश प्रभारी मोहम्मद कौसर ने बताया कि प्रयागराज में न्यूनतम शुल्क मुझे प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। यहां इंडस्ट्रियल विजिट सेमिनार, ग्रुप डिस्कशन, आदि कराया जाता है जिसे प्रशिक्षणार्थियो का सर्वांगिन विकास होता है. केंद्र गुणवत्ता परिषद द्वारा स्टार ग्रेडिंग प्राप्त है. केंद्र के कंप्यूटर शिक्षक रोहित शुक्ल ने बताया कि सरकार द्वार छात्रवृत्ति एवं टैबलेट की सुविधा उपलब्ध है प्रशिक्षणार्थियो को प्रशिक्षण के दौरन सरकार द्वार मांडे भी दिया जाता है प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण के दौरन सरकार द्वार मांडे भी दिया जाता है. मुख्य अतिथि ने नवीन प्रवेशार्थियो का स्वागत एवं उज्जवल भविष्य की कामना की अंतरराष्ट्रीय स्तर का है प्रयागराज नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण के द्र-रौनक गुप्ता.इस अवसर पर निरीक्षक विजय पांडे, रोहित शुक्ला, सचिन श्रीवास्तव, मोहम्मद कौसर, प्रदीप जायसवाल आदि लोग उपस्थित रहें।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र.के छात्र रेलवे में चयनित

नैनी। नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के चार छात्रों का सिकंदराबाद में रेलवे में चयनित होने पर संस्थान परिवार ने बधाई दी है। प्रयागराज करछना तहसील के नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद के चार छात्रों का रेलवे के धारा रेल प्रोजेक्ट सिकंदराबाद में चयन होने से विद्यालय प्रबंधतंत्र द्वारा छात्र का सम्मान एवं अभिनन्दन किया। इस अवसर पर संस्थान के प्रवेश प्रभारी मोहम्मद कौसर ने इन छात्रों का समारोहपूर्वक अभिनंदन एवं सम्मान करते हुये कहा कि यह विद्यालय के लिये गौरव की बात है।संस्थान के शिक्षक सदैव इस बात पर बल देते हैं कि छात्र अच्छा सीखें और अपने भविष्य को उज्ज्वल एवं सफल बनावें। उन्होंने भविष्य में और मेहनत व लगन से अध्यापन व अध्ययन करने हेतु शिक्षकों और छात्रों का आह्वान किया। इस अवसर पर केक काटकर केंद्र का स्थापना दिवस भी मनाया गया।

Admission Open 2024-25

श्री सत्यदेव दुबे (प्रधानाचार्य)
राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, भदोही

श्री सुजीत श्रीवास्तव (प्रधानाचार्य)
राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, नैनी, प्रयागराज

इं. अर्चना सरोज (ट्रेनिंग एवं पलेसमेन्ट, अधिकारी
राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, खागा, फतेहपुर

- ★ C.O.P.A.
- ★ Fitter
- ★ Computer Teacher Training
- ★ Electrician
- ★ Fire Safety & Industrial Security
- ★ Repair of Refrigerator & A.C.
- ★ Welding Technology
- ★ Certificate in YOGA
- ★ Security Service
- ★ Computer Hardware& Maintenance

Naini ITC Honored by U.P. State Industrial Association

JEEVAN EXPRESS NEWS

PRAYAGRAJ: A seminar was organized by Uttar Pradesh State Industrial Association on Friday. In which Naini Industrial Training Center was honored with a citation by the association's president Arvind Rai for providing high quality skilled workers. Mohammad Kausar received the honor from the Centre. On this occasion, all the entrepreneurs of Prayagraj including Arinnd Rai Sheetal Plastics, Anat Chandra Ventura Private Limited, BLKHN Engineering Works, S Shukla, Overseas Food Agro Private Limited, union officials and all the industrialists were present.

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

प्रदेश आस/पास

सड़क के खतरनाक गड्ढों ने ले ली एक जान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

फूलपुर । थाना अंतर्गत खंसार गांव में मुबारकपुर फूलपुर रोड पर सड़कों में बने बड़े-बड़े गड्ढे में बाईक कूदने से पीछे बैठी महिला की पिच रोड पर गिरकर मौत हो गई। बताया जाता है कि मुबारकपुर की ओर से बाइक सवार पीछे एक 25 वर्षीय महिला को बैठाकर फूलपुर की ओर जा रहा था और मोबाइल से बात भी कर रहा था। इसी बीच सड़क पर बने बड़े गड्ढे में बाइक उछली तो पीछे बैठी महिला उल्टे सर के बाल रोड पर गिरी तो उसका सिर फट गया। सड़क पर खून फैल गया। इस बीच स्थानीय लोग जुट गए बाइक सवार घायल महिला को घसीट कर पटरी पर लिटा दिया और दर्शकों से देखते रहने को कहकर चला गया, जो वापस नहीं आया । कुछ लोग अंदाज लगा रहे थे कि महिला लिफ्ट लेकर बैठी होगी तभी बाइक सवार छोड़कर भाग गया। ग्रामीणों की भीड़ जुटी तो महिलाओं ने उसके हाथ पर गोदना में सुरेश गुड्डी देवी जामवंत लाल लिखा देखा, और पास में अन्य कोई शिनाखत नहीं था। जबकि नाक कान में स्वर्ण आभूषण की पहचान महिलाओं ने की। प्रधान भानु प्रताप पाल आदि ने थाने पर सूचना दी। तो प्रभारी निरीक्षक प्रवीण कुमार गौतम तथा उप निरीक्षक मोनिस आलम ने पहुंचकर महिला का शव कब्जे में लेकर थाने ले गए। वहां से आवश्यक लिखा पढ़ी के बाद शव पीएम हेतु भेज दिया।

बढ़ी उमस से जन जीवन प्रभावित स्कूलों में बच्चे हुए मूर्छित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

फूलपुर मंगलवार की उमस और कड़ाके की धूप से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ बहुत जरूरी काम से ही लोग कहीं जा रहे हैं। अन्यथा घरों में ही दुबके रहे। प्राथमिक विद्यालयों नर्सरी आदि में नौनिहालों का बुरा हाल रहा प्राथमिक विद्यालय मैलहन में बढीं उमस से कई बच्चे अदीब बेलाल, लीजा आदि बच्चे पसीने से तरबतर होकर घर भाग आए थे। स्थानीय पत्रकार महमूद भाई के घर के बच्चे थे। इसी मैलहन प्राथमिक विद्यालय का एक बच्चा आदर्श यादव पुत्र जयप्रकाश यादव उम्र 8 वर्ष कक्षा 3 का है जो मूर्छित हो गया। उसे तत्काल टीचरों ने पानी छीटे मारकर पंखे हांके तब होश आया। इस संबंध में नवागत बी.ई.ओ का वर्जन लेने हेतु कॉल किया गया। परंतु वे प्रतापपुर में किसी सरकारी कार्यक्रम में व्यस्त थे। अभिभावकों का कहना है कि विद्यालय समय परिवर्तित किया जाए अन्यथा इस बढ़ते तापमान में शिक्षण कार्य रोका जाए।

पी एम श्री विद्यालय सोरों में नामांकन मेला/प्रवेश उत्सव हुआ सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

मिर्जापुर। को पी एम श्री उच्च प्रा0वि0 सोरों में नामांकन मेला एवं प्रवेशोत्सव सम्पनन हुआ, जिसके मुख्य अतिथि जि.ला बे.सिक शिक्षा अधिकारी प्रयागराज आदरणीय प्रवीण कुमार तिवारी जी रहे। कार्यक्रम

का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण , सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत बच्चों द्वारा गाकर किया गया। ग्राम पंचायत सोरों में निवास करने वाले मुसहर जाति के लगभग 82 बच्चों का नामांकन जिला बे0 शि0 अधिकारी आदरणीय प्रवीण कुमार तिवारी जी द्वारा स्वयं अपने हाथों से किया गया जिसे देखकर ग्रामवासियों में खुशी की लहर दौड़ गई। आदरणीय जि.ला बे0 शि0 अ0 प्रयागराज प्रवीण कुमार तिवारी जी ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा समाज की रीढ़ है, जिसकी पहुंच समाज के प्रत्येक वंचित तबके तक सरल एवं सुलभ हो,विभाग एवं शासन की ऐसी ही मंशा है जिसको धरातल पर उतारने का पुनीत कार्य पी एम श्री उच्च प्रा0 वि0 विद्यालय सोरों के अध्यापकों एवं मैथिली ग़रीब कल्याण समिति के सदस्यों ने मिलकर किया जिसके लिए ये सभी बधाई के पात्र हैं। तदोपरांत आदरणीय जि.ला बे0 शि0 अधिकारी श्री प्रवीण कुमार तिवारी एवं खण्ड शि0 अधिकारी प्रतापपुर विश्वनाथ प्रजापति व खण्ड शि0अ0 फूलपुर प्रभाशंकर पांडे एवं ग्राम प्रधानपति राजित राम यादव द्वारा मुसहर जाति के बच्चों को पुस्तकों का सेट, यूनिफॉर्म, बैग ,कॉपी, कलम वितरित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आदरणीय जि.ला बे0 शि0 अ0 श्री प्रवीण कुमार तिवारी जी, विशिष्ट अतिथि खण्ड शि0 अ0 फूलपुर प्रभाशंकर पांडे जी एवं वि0 खण्ड प्रतापपुर के मुखिया विश्वनाथ प्रजापति जी, ग्राम प्रधानपति राजित राम को मेज़बानी कर रहे पी एम श्री उच्च प्रा0 वि0 सोरों के इं0 प्र0 अ0 अजीत प्रताप सिंह एवं उनकी टीम द्वारा बुके, अंगवस्त्रम एवं स्मृतिचिह्न भेंट किया गया। मैथिली ग़रीब कल्याण समिति के पदाधिकारी बालकेश्वर प्रजापति, रमेश सरोज, संदीप एवं राजेश सरोज व अन्य सदस्यों को भी बुके, अंगवस्त्रम आदि भेंटकर इस पुनीत कार्य हेतु सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शानदार संचालन वरिष्ट ए आर पी सत्येन्द्र द्विवेदी ने किया।कार्यक्रम से पूर्व सुबह आदरणीय जि.ला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रयागराज, खण्ड शिक्षा अधिकारी प्रतापपुर एवं मैथिली ग़रीब कल्याण समिति के सदस्यगण व इंचार्ज प्र0 अ0 मुसहर बस्ती में स्वयं जाकर बच्चों एवं अभिभावकों से मिलकर शिक्षा एवं स्कूल चलो अभियान के प्रति जागरूक किया एवं अपने समक्ष बच्चों के बाल भी कटवाए एवं उन्हें स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं शिक्षा के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम में जू0 शि0 संघ के जि.ला अध्यक्ष विनोद पांडे, ब्लॉक अध्यक्ष अजीत प्रताप सिंह, ब्लॉक मंत्री दिलीप कुमार यादव, ब्लॉक अध्यक्ष प्रा0 शि0 स0 प्रतापपुर डॉ हरीशचंद्र, मंत्री अतीक अहमद, अटेवा प्रदेश प्रभारी आई टी सेल सैय्यद दानिश इमरान, टी एस सी टी प्रदेश महामंत्री सुदेश पांडे, पूर्व ए आर पी रविराज तिवारी, पूर्व समन्वयक दिनेश यादव,ब्लॉक स्काउट मास्टर अमरेन्द्र कुमार एवं ब्लॉक के समस्त शिक्षक संकुल, सैकड़ों शिक्षक एवं ग्रामवासी मौजूद रहे ।

पति के कातिल की रिहाई पर विस में गरजीं विजमा, बोलीं-मेरी की हत्या हुई तो सरकार होगी जिम्मेदार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज ।विधान सभा में सपा विधायक विजमा ने पति जवाहर यादव उर्फ पंडित के सजायाफ्ता कातिल उदयभान करवरिया की रिहाई को गलत बताया। उनका कहना था कि 18 साल तक लंबी लड़ाई के बाद उन्हें न्याय मिला था और उन्होंने अपने पति के कातिल उदय भान, कपिल मुनि करवरिया, सूरजभान करवरिया और एक अन्य आरोपी को सलाखों के पीछे भिजवाया था।प्रतापपुर की सपा विधायक विजमा यादव ने मंगलवार को विधानसभा सदन में अपने विधायक पति जवाहर पंडित समेत तीन लोगों की दिनदहाड़े एके-47 से हत्या करने वाले पूर्व भाजपा विधायक उदयभान करवरिया की रिहाई को लेकर सरकार को घेरा। पति के कातिल की रिहाई के बाद उन्होंने खुद की जान को खतरा बताते हुए सीएम योगी से अपनी और अपने परिवारीजनों की सुरक्षा की गुहार लगाई। विजमा ने कहा कि अगर उनकी हत्या होती है तो इसके लिए सीधे तौर पर सरकार जिम्मेदार होगी विधान सभा में सपा

विधायक विजमा ने पति के सजायाफ्ता कातिल उदयभान करवरिया की रिहाई को गलत बताया। उनका कहना था कि 18 साल तक लंबी लड़ाई के बाद उन्हें न्याय मिला था और उन्होंने अपने पति के कातिल उदय भान, कपिल मुनि करवरिया, सूरजभान करवरिया और एक अन्य आरोपी को सलाखों के पीछे भिजवाया था। उनका कहना था कि उदयभान ने अपने भाइयों के साथ दिन दहाड़े पहली बार उनके पति पर एके-47 चलाई थी। इतने बड़े माफिया की रिहाई से उनकी सुरक्षा को खतरा पैदा हो गया है। अपनी और परिवार के सदस्यों की हत्या की आशंका जताते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उन्होंने सुरक्षा की गुहार लगाई। उन्होंने कहा कि मेरे पति विधायक जवाहर यादव पंडित की हत्या में सजा काट रहे उदयभान करवरिया को सरकार ने बरी कर दिया है। रुंधे गले से बताया कि पहली बार जब प्रयागराज के सिविल लाइंस में एके - 47 से उनके पति समेत तीन लोगों की हत्या हुई, तो पूरा जिला थर्रा गया था। वह न्याय के लिए इधर-उधर भटकती रहीं। लंबे समय बाद न्याय मिला, लेकिन प्रदेश सरकार ने पति के हत्यारे उदयभान करवरिया को की सजा माफ कर चिंता बढ़ा दी है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, रसोइया, सहायिका की आय पर फोकस, शिक्षा मंत्री बोले- नहीं बढ़ेगा मानदेय

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज ।सीएम योगी ने कहा कि वर्ष 2012 से 2017 तक सपा सरकार थी। तब रसोइयों का मानदेय 500 रुपए से भी कम था। आपने दूसरा अन्याय ये किया कि जिनके बच्चे नहीं पढ़ेंगे, उनको सेवा से हटा दिया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि प्रदेश सरकार आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, रसोइयों और सहायिका की अन्य आय को बढ़ाने पर फोकस कर रही है। सपा सदस्य राजेंद्र प्रसाद चौधरी द्वारा इस बाबत पूछे गए सवाल के जवाब में इससे पहले बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि इनका मानदेय बढ़ाने को लेकर फिलहाल कोई विचार नहीं हो रहा है। वर्तमान में दिया जाने वाला भुगतान मानदेय आधारित है और न्यूनतम मजदूरी भुगतान के नियमों के दायरे में नहीं

आता है योगी ने कहा कि वर्ष 2012 से 2017 तक सपा सरकार थी। तब रसोइयों का मानदेय 500 रुपए से भी कम था। आपने दूसरा अन्याय ये किया कि जिनके बच्चे नहीं पढ़ेंगे, उनको सेवा से हटा दिया जाएगा। हमारी सरकार ने 2022 में उनके मानदेय को न्यूनतम 2 हजार रुपए किया। इन सभी ने कोरोना काल में अपनी सेवाओं के माध्यम से शासन की योजनाओं को प्रत्येक परिवार तक पहुंचाने में अभिनंदनीय काम किया है। हमने इनके मानदेय में वृद्धि भी की है और इन्हें टैबलेट से आच्छादित करने के साथ साथ अतिरिक्त आय का प्रावधान भी किया है। हमने प्रत्येक ग्राम पंचायत में पंचायत सचिवालय का निर्माण किया है। इसका उद्देश्य ये है कि ग्रामीण क्षेत्रों में गांव को ही स्वावलंबी बनाकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज की परिकल्पना को साकार किया जा सके।

देश/विदेश

भारत

संक्षिप्त समाचार

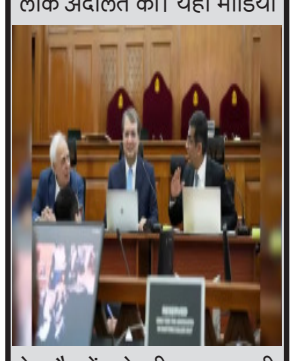

पहली बार मैं बेंच की तरफ था' एसी की लोक अदालत में सीजेआई चंद्रचूड़ संग बैठे कपिल सिब्बल क्या है पूरा मामला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक बार फिर से इतिहास रच दिया है। चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ के साथ बेंच पर सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल बैठे। यह पहली बार था जब सिब्बल बेंच की ओर थे, बार की तरफ नहीं मौका था सुप्रीम कोर्ट में लगी विशेष लोक अदालत का। यहां मीडिया

के कैमरों को भी इजाजत दी गई थी। लोक अदालत में सीजेआई और सिब्बल के साथ जस्टिस जेबी पारदीवाला, जस्टिस मनोज मिश्रा और सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड एसोसिएशन के अध्यक्ष विपिन नायर भी मौजूद रहे। इन मामलों की सुनवाई 29 जुलाई से 2 अगस्त के बीच होगी और अदालत के कामकाज के बाद दोपहर 2 बजे से होगी लोक अदालत में आए एक मामले का जिक्र करते हुए आज मुख्य न्यायाधीश ने कहा, मुझे एक मामला याद है जिसमें पति ने पटियाला हाउस कोर्ट में तलाक की कार्यवाही दायर की थी और उसकी पतनी ने भरण-पोषण की कार्यवाही दायर की थी और बच्चों की कस्टडी के लिए आवेदन किया था। वे दोनों प्री-लोक अदालत में एक साथ आए और दोनों ने फैसला किया कि वे साथ रहेंगे। इसलिए जब वे दोनों लोक अदालत के सामने आए, तो मैंने उनसे पूछा, और उन्होंने कहा कि उन्होंने खुशी-खुशी साथ रहने का फैसला किया है। पतनी ने कहा कि मुझे भरण-पोषण नहीं चाहिए क्योंकि हम बहुत खुशी से साथ रह रहे हैं मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि लोक अदालत का उद्देश्य छोटे-छोटे मामलों का निपटारा करना है। लोगों को यह एहसास नहीं है कि सुप्रीम कोर्ट में कितने छोटे-छोटे मामले आते हैं। हम सेवा, श्रम विवाद, भूमि अधिग्रहण और मोटर दुर्घटना दावा जैसे मामलों को लोक अदालत में सुनवाई के लिए चुनते हैं मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने कहा, न्यायाधीशों के साथ लोक अदालत पैनल के हिस्से के रूप में बार सदस्यों की उपस्थिति ने पूरे समाज को सही संदेश दिया है कि हम न्याय करने के अपने प्रयासों में एकजुट हैं, खासकर इन छोटे मामलों में शामिल नागरिकों के लिए उमुख्य न्यायाधीश को उम्मीद है कि भविष्य में सुप्रीम कोर्ट में लोक अदालत संस्थागत हो जाएगी।एनडीटीवी से बात करते हुए सिब्बल ने कहा, पहली बार मैं बार की तरफ नहीं बल्कि बेंच की तरफ बैठा हूं।

भारतीय संविधान के पहले संस्करण की कॉपी हुई नीलाम, 48 लाख में बिकी पहली प्रति

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। प्राचीन वस्तुओं, पुस्तकें आदि की नीलामी करने वाली कंपनी, सैफ्रनआर्ट के 'पैसेज टू इंडिया

ऑक्शन 2024' में भारत की समृद्ध विरासत के प्रति आकर्षण देखने को मिला। भारत के संविधान का पहला संस्करण जिसे कला के बजाय वास्तुकला का काम माना जाता है, हाल ही में एक नीलामी में 48 लाख रुपये में बेचा गया, जो अब तक की इसकी सबसे ऊंची कीमत है। इसे डॉ. भीमराव अंबेडकर ने लिखा था। ये पुस्तक, देहरादून में भारतीय सर्वेक्षण कार्यालयों की तरफ से बनाई गई और 1950 में केंद्र की तरफ से प्रकाशित केवल 1,000 प्रतियों में से एक है। इसमें निर्माताओं के हस्ताक्षर भी शामिल हैं। यह फोटोलिथोग्राफिक प्रति - जिसका ब्लू प्रिंट भारत की संसद के पुस्तकालय में में रखा गया है।ये 24 से 26 जुलाई तक सैफ्रोनार्ट की तीन दिवसीय ऑनलाइन नीलामी का हिस्सा थी, जिसमें भारतीय इतिहास, कला, साहित्य और सदियों से चली आ रही प्राचीन वस्तुओं को रखा गया था। सैफ्रोनार्ट की सह-संस्थापक मीनल वजीरानी ने इसको लेकर कहा, ठअपने सौंदर्यशास्त्र के अलावा, प्रत्येक वस्तु भारत की विरासत के दस्तावेजीकरण के रूप में अत्यधिक ऐतिहासिक मूल्य रखती है। अंबेडकर की तरफ से तैयार किए गए संविधान के ब्लू प्रिंट पर 1946 की संविधान सभा के 284 सदस्यों के हाथों के निशान है, जिसमें लेखिका कमला चौधरी के हिंदी हस्ताक्षर और तत्कालीन प्रधान मंत्री जवाहरलाल नेहरू के अंग्रेजी हस्ताक्षर भी शामिल हैं।बता दें कि रामपुर स्थित सुलेखक रायजादा को प्रिंटिंग और स्टेशनरी के नियंत्रक की तरफ से आपूर्ति किए गए हस्तनिर्मित मिलबोर्न लोन पेपर की शीट पर देश को नियंत्रित करने वाले कोड लिखने में नवंबर 1949 से अप्रैल 1950 तक छह महीने लग गए। इस काम के लिए उन्हें 4,000 रुपये का पुरस्कार दिया गया।

ये चमत्कार है खोया हुआ कुत्ता 250 किलोमीटर अकेले यात्रा करके लौटा अपने घर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
बेलगावी (कर्नाटक)। कर्नाटक के बेलगावी जिले के निपानी तालुक के यमगरनी गांव में हाल ही में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने

आया है। बता दें कि महाराज नाम से पुकारा जाने वाला कुत्ता दक्षिण महाराष्ट्र के तीर्थनगर पंढरपुर में भीड़ में खो गया था। लेकिन इसके बाद जो हुआ वो आपको चौंकाने वाला है। 250 किलोमीटर की यात्रा कर गांव पहुंचा कुत्ता मिली जानकारी के अनुसार, महाराज (कुत्ता) अपने दम पर अकेले ही लगभग 250 किलोमीटर की यात्रा करके उत्तरी कर्नाटक के बेलगावी गांव में वापस आ गया। कुत्तेका ऐसे वापस आ जाना गांव वालों के लिए चमत्कार के बराबर है। महाराज के गांव में वापस आ जाने पर गांव के लोगों ने फूल मालाएं पहना घुमाया और उसके सम्मान में एक दावत का भी आयोजन किया गया।बता दें कि इस साल जून के अंतिम सप्ताह में, जब 'महाराज' के मालिक कमलेश कुंभर पंढरपुर में वार्षिक 'वारी पदयात्रा' पर निकले थे, तब वह भी उनके साथ चल दिया था। कुंभर ने कहा कि वह हर साल आषाढ़ एकादशी और कार्तिकी एकादशी के मौके पर पंढरपुर जाते हैं। उन्होंने कहा कि इस बार भी उनका कुत्ता उनके साथ गया था। कुत्ते को भजन सुनना है पसंद कुंभर ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, 'महाराज' (कुत्ता) को हमेशा भजन सुनना पसंद है। इस बार वह मेरे साथ महाबलेश्वर के निकट ज्योतिबा मंदिर की पदयात्रा पर गया था। लगभग 250 किलोमीटर तक वह कुत्ता अपने मालिक और उनके दोस्तों के साथ गया। कुंभर ने कहा कि विठोबा मंदिर के दर्शन करने के बाद उन्होंने पाया कि कुत्ता लापता हो गया है। उन्होंने कहा कि जब वह कुत्ते को ढूंढने लगे, तो वहां लोगों ने बताया कि वह किसी दूसरे समूह के साथ चला गया है।कुंभर ने कहा, मैंने फिर भी उसे हर जगह खोजा, लेकिन वह मुझे नहीं मिला। तो, मैंने सोचा कि शायद लोग सही कह रहे थे कि वह किसी और के साथ चला गया। मैं 14 जुलाई को अपने गृह नगर लौट आया।

वायनाड जा रही केरल की स्वास्थ्य मंत्री हुई सड़क हादसे का शिकार, अस्पताल में भर्ती

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मलप्पुरम। केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज का बुधवार (31 जुलाई) को एक्सीडेंट हो गया। वीना की गाड़ी मल्लपुरम जिले के मंजेरी के पास सड़क दुर्घटना का शिकार हो गई। दरअसल, वह वे भूस्खलन प्रभावित जिले वायनाड जा रही थीं। उन्हें मामूली चोटें आई हैं और उनका इलाज मंजेरी मेडिकल कॉलेज में चल रहा है। राज्य स्वास्थ्य विभाग और पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि ' वीना जॉर्ज को सड़क दुर्घटना में मामूली चोटें आई है और उनका इलाज मंजेरी मेडिकल कॉलेज में चल रहा है। भूस्खलन प्रभावित जिले वायनाड के दौरे पर जा रही केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज का बुधवार को एक्सीडेंट हो गया। यह हादसा मल्लपुरम के मंजेरी जिले के पास हुआ है। हालांकि इस हादसे में वीना को मामूली चोटें आई है और उनका इलाज मंजेरी मेडिकल कॉलेज में किया जा रहा है। बता दें कि वायनाड लैंडस्लाइड में अब तक 143 लोगों की मौत हो गई है। इस समय केरल के हालात बिल्कुल ठीक नहीं है। भारी बारिश के कारण वायनाड में सोमवार देर रात 4 अलग-अलग जगहों पर भुस्खलन आया। अब तक 143 लोगों की मौत हो चुकी है और सेना का रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। इस बीच मौसम विभाग ने 31 जुलाई के लिए केरल में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। छ्ळ ने वायनाड समेत 5 जिलों मलप्पुरम, कोझिकोड, वायनाड कनूर और कासरगोड जिले में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

लेह में तापमान 36 डिग्री पहुंचा, इंडिगो और स्पाइसजेट ने रद्द की उड़ानें; अब तक 16 कैंसिल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। लेह में बढ़ती गर्मी के कारण एयरपोर्ट पर फ्लाइट्स को उड़ान भरने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच इंडिगो और स्पाइसजेट ने लेह हवाई अड्डे पर चार उड़ानों को रद्द कर दिया है। एएआई अधिकारी ने इस बात की जानकारी दी है। 27 जुलाई के बाद से, लद्दाख में उच्च तापमान के कारण कम से कम 16 उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। लेह हवाई अड्डे पर पारा 32 डिग्री सेल्सियस से ऊपर जाने पर उड़ानें रद्द की जाती हैं। हवाईअड्डे के सूत्रों के मुताबिक,यह शायद पहली बार है कि खराब मौसम के कारण लेह हवाई अड्डे पर उड़ानें रद्द हो रही हैं।'' हवाईअड्डे के सूत्रों ने कहा, हमें अतीत में ऐसा कोई उदाहरण याद नहीं है जहां लगातार इतने

दिन तक उड़ाने रद्द की गई हों। बता दें कि पिछले कुछ दिनों से लेह का तापमान 36 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचता जा रहा है।लेह में बढ़ती गर्मी के कारण स्पाइसजेट और इंडिगो जैसी बड़ी एयरलाइन अपनी उड़ानें रद्द कर रहा है। क्योंकि दिन के समय लेह का तापमान 36 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच रहा है। इतने तापमान में और अधिक ऊंचाई के कारण लेह की डेंसिटी और कम हो रही है। ऐसे में विमान का उड़ान भरना सेफ नहीं है। बीते शनिवार से लेकर अब तक 16 उड़ने रद्द हो चुकी हैं।लेह में प्रतिदिन 15-16 आगमन और इतनी ही संख्या में प्रस्थान होते हैं। यह समुद्र तल से 10,700 फीट की ऊंचाई पर है, जो इसे दुनिया के सबसे ऊंचाई वाले हवाई क्षेत्रों में से एक बनाता है। गर्मी विमान के इंजन के लिए घातक कॉकटेल है।

अनुराग ठाकुर के बयान पर कांग्रेस का पलटवार, कहा- गांधी परिवार की जाति शहादत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। कांग्रेस ने भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर की ओर से लोकसभा

में की गई टिप्पणी को लेकर हमला बोला है। कांग्रेस ने कहा कि गांधी परिवार की जाति शहादत है लेकिन भाजपा-आरएसएस इसे कभी नहीं समझेगी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि उनकी पार्टी किसी भी जातिवादी गाली को सुनने के लिए तैयार है, लेकिन जाति जनगणना कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। जातिवादी गाली को सुनने के लिए तैयार है, लेकिन जाति जनगणना कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। कांग्रेस ने भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर की ओर से लोकसभा में की गई टिप्पणी को लेकर हमला बोला है। कांग्रेस ने कहा कि गांधी परिवार की जाति शहादत है लेकिन भाजपा-आरएसएस इसे कभी नहीं समझेगी।कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि उनकी पार्टी किसी भी जातिवादी गाली को सुनने के लिए तैयार है लेकिन जाति जनगणना कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। खरगे ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, 'हां, मैं भारतीय हूं और दलित हूं, लेकिन मुझे नहीं पता कि हम कितने हैं। हां , मैं आदिवासी हूं, लेकिन मुझे नहीं पता कि हम कितने हैं। हां, मैं पिछड़ा वर्ग हूं, लेकिन मुझे नहीं पता कि हम कितने हैं। आज हम सभी को यह आंकने की जरूरत है कि इस देश की तरक्की में हमारी कितनी भागीदारी है।' उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा-आरएसएस वालों की हमसे यह छिपाने की साजिश है, ताकि वो हमें पिछड़ा रख सकें और षड्यंकारी बहानों से आरक्षण छीनकर हमारे अधिकारों पर कब्जा जमा सके। पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को यह स्पष्ट करना चाहिए कि क्या यह सब उनके कहने पर हुआ है? प्रियंका गांधी ने अनुराग ठाकुर के भाषण का एक वीडियो साझा करते हुए 'एक्स' पर पोस्ट किया 'सामाजिक-आर्थिक-जातीय जनगणना इस देश के 80 प्रतिशत लोगों की मांग है। उन्होंने सवाल किया कि क्या अब देश की संसद में देश की 80 प्रतिशत जनता को गालियां दी जाएंगी। नरेन्द्र मोदी को स्पष्ट करना चाहिए कि क्या यह उनके कहने पर हुआ है? कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा कि राहुल गांधी की जाति 'शहादत' है।

दक्षिण कन्नड़ में भारी बारिश का रेड अलर्ट, आंगनवाड़ी और स्कूलों को बंद रखने के निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
दक्षिण कन्नड़ (कर्नाटक)। कर्नाटक के कई जिलों में भारी बारिश का दौर जारी है। वहीं, भारतीय मौसम विभाग (छ्ळ) ने दक्षिण कनन्ड़ जिले में भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है, इसके मद्देनजर डिप्टी कमिशन्र मुल्ई मुहिलान ने बुधवार को सभी आंगनवाड़ी और स्कूलों को बंद रखने की घोषणा की है। जिला प्रशासन का यह आदेश मछुआरों पर भी

लागू है, जिन्हें मछली पकड़ने के लिए समुद्र में न जाने की सख्त हिदायत दी गई है। हाई अलर्ट पर जिला प्रशासन भारी बारिश को देखते हुए जिला प्रशासन हाई अलर्ट पर है और लोगों को इस दौरान निचले इलाकों में जाने से बचने और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। उपायुक्त मुहिलान ने कहा कि मौसम विभाग के अलर्ट के बाद कर्नाटक राज्य प्राकृतिक आपदा प्रबंधन ने कई तरह के एहतियाती कदम उठाए हैं।जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक, दक्षिण कनन्ड़ जिले के सभी आंगनवाड़ी, सरकारी, सहायता प्राप्त और निजी प्राथमिक और उच्च विद्यालयों के साथ-साथ 12 तक के स्कूलों को 31 जुलाई के लिए बंद किए गए हैं। आदेश में जनता और पर्यटकों को पानी से भरे निचले इलाकों, झीलों, नदी के किनारों और समुद्र तटों से दूर रहने की सलाह दी गई है। मछुआरों को मछली पकड़ने के लिए समुद्र में न जाने का निर्देश दिया गया है।

एसी एसटी फंड में घोटाले को लेकर वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने दिखाया आइना, विपक्षी सांसदों को कर्नाटक जाने की दी चुनौती

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बजट में अनुसूचित जाति (एसी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) को पर्याप्त आवंटन नहीं किये जाने का आरोप लगाने वाले विपक्षी सांसदों को वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने आइना दिखाया। बजट आवंटन में पिछले साल की तुलना में बढ़ोतरी के आंकड़े देते हुए उन्होंने विपक्षी नेताओं को कर्नाटक जाने की सलाह दी, जहां एससी-एसटी के आवंटित राशि में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी के आरोप लग रहे हैं। वित्तमंत्री के अनुसार खुद कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया 89 करोड़ रुपये के घोटाले की बात स्वीकार कर लिया है। वित्तमंत्री ने विपक्ष से पूछा एससी-एसटी फंड में घोटाला कर क्या कर्नाटक में उनके साथ न्याय हो रहा है। वित्तमंत्री ने एससी, एसटी की बात करने वाले पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चनने व अन्य विपक्षी नेताओं पर कटाक्ष करते हुए उन्हें आज ही कर्नाटक जाने की चुनौती दी।उन्होंने कहा कि एससी-एसटी के लिए कर्नाटक में आवंटित 9,980 करोड़ रुपये में से 4301 करोड़ रुपये कहां गया पता नहीं चल पा रहा है। उनके अनुसार बाल्मिकी कोआपरेटिव फंड में 187 करोड़ रुपये के घोटाले के आरोप लग रहे हैं। लेकिन मुख्यमंत्री सिद्दारमैया खुद कह रहे हैं कि 187 करोड़ का नहीं, बल्कि सिर्फ 89 करोड़ रुपये का घोटाला है। उन्होंने विपक्ष पर हमला करते हुए कहा कि खुद एससी-एसटी फंड में घोटाला कर रहे हैं और यहां हमें एससी-एसटी पर भाषण दे रहे हैं।

अरब सागर में तापमान बढ़ने से वायनाड में भारी बारिश-भूस्खलन जोखिम का सामना कर रही आबादी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। एक वरिष्ठ जलवायु विज्ञानी ने मंगलवार को कहा कि

अरब सागर में तापमान बढ़ने से घने बादल बन रहे हैं, जिसके कारण केरल में कम समय में भारी बारिश हो रही है और भूस्खलन होने का खतरा बढ़ रहा है। वायनाड में हुए भूस्खलन की वजह भी अरब सागर में तापमान बढ़ना है। इस बीच, वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों ने भूस्खलन पूर्वानुमान तंत्र और जोखिम का सामना कर रही आबादी के लिए सुरक्षित आवासीय इकाइयों के निर्माण का आह्वान किया है।कोचीन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सीयूएसएटी) में वायुमंडलीय रडार अनुसंधान आधुनिक केंद्र के निदेशक एस अभिलाष ने कहा कि सक्रिय मानसूनी अपतटीय निम्न दाब क्षेत्र के कारण वायनाड, कालीकट, कासरगोड, कन्नूर और मलप्पुरम जिलों में भारी वर्षा हो रही है, जिसके कारण पिछले दो सप्ताह से पूरा कोंकण क्षेत्र प्रभावित हो रहा है। कई जगह बहुत भारी बारिश हुई उन्होंने बताया कि दो सप्ताह की वर्षा के बाद मिट्टी भुरभुरी हो गई। अभिलाष ने कहा कि सोमवार को अरब सागर में तट पर एक गहरी मेसोस्केल मेघ प्रणाली का निर्माण हुआ और इसके कारण वायनाड समेत कई जगह बहुत भारी बारिश हुई और इसके परिणामस्वरूप भूस्खलन हुआ। बहुत घने बादल बनने की जानकारी मिली अभिलाष ने कहा कि बादल बहुत घने थे, ठीक वैसे ही जैसे 2019 में केरल में आई बाढ़ के दौरान नजर आए थे। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों को दक्षिण-पूर्व अरब सागर के ऊपर बहुत घने बादल बनने की जानकारी मिली है। उन्होंने कहा कि कभी-कभी ये प्रणालियां स्थल क्षेत्र में प्रवेश कर जाती हैं और 2019 में ऐसा ही हुआ था।

जेल से इंटरव्यू देकर फंसा लॉरेंस बिश्नोई, सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की याचिका; कहा- 73 मामले दर्ज हैं, जांच तो होगी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।सुप्रीम कोर्ट ने गैंगस्टर लॉरेंस बिशनेई की एक याचिका मंगलवार को खारिज कर दी।

बिशनेई ने जेल में रहते हुए टीवी चैनल को साक्षात्कार देने के मामले में एसआईटी गठित करने और उसके खिलाफ प्राथमिकियां दर्ज करने के पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी। जांच होनी चाहिएः पीठ जस्टिस बेला एम त्रिवेदी और जस्टिस एससी शर्मा की पीठ ने कहा कि वह हाई कोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप नहीं करना चाहती। पीठ ने कहा कि जांच होनी चाहिए। यह जांच का विषय है। आपके खिलाफ 73 मामले दर्ज हैं।जेल में बंद बिशनेई की ओर से कोर्ट में पेश हुए वकील ने कहा कि आदेश पारित किए जाने से पहले उनकी दलीलें नहीं सुनी गईं। सुप्रीम कोर्ट ने बिशनेई को हाई कोर्ट जाने का निर्देश दिया। हाई कोर्ट ने मामले में लिया था स्वतः संज्ञान गौरतलब है कि पिछले वर्ष दिसंबर में हाई कोर्ट ने बिशनेई के साक्षात्कार के संबंध में प्राथमिकी दर्ज करने तथा आईपीएस अधिकारी प्रबोध कुमार के नेतृत्व वाले एक एसआईटी से जांच कराने का आदेश दिया था। हाई कोर्ट ने जेल परिसर में कैदियों द्वारा मोबाइल फोन के इस्तेमाल से संबंधित मामले पर स्वतः संज्ञान लेकर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया था।

उद्योगपतियों पर पीएम मोदी का भरोसा सीआईआई सम्मेलन में वेल्थ क्रिएटर कहा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। कांग्रेस की ओर से कुछ बड़े उद्योगपतियों पर लगातार निशाना साधे जाने के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित भारत के निर्माण में निजी उद्योगों पर भरोसा जताया है। सीआईआई के सम्मेलन में उद्योगपतियों को ''वेल्थ क्रिएटर'' बताते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें भारत की विकास यात्रा में ड्राइविंग फोर्स बताया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को सीआईआई सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि बजट प्रगति के नए रास्ते खोलेगा। पीएम मोदी ने उद्योगपतियों पर भरोसा जताया और विकसित भारत के निर्माण में उनकी भूमिका अहम बताई। एक तरफ जहां कांग्रेस लगातार उद्योगपतियों को निशाना बना रही हैं तो वहीं पीएम मोदी ने खुलकर उद्योगपतियों की सराहना की।पीएम मोदी ने कहा कि मैं इंडस्ट्री को, भारत के प्राइवेट सेक्टर को भी, विकसित भारत बनाने का एक सशक्त माध्यम मानता हूं। पिछले 10 सालों में विकास की नई ऊंचाइयां हासिल करने का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि इस साल का बजट प्रगति के नए रास्ते खोलेगा और नए अवसर बनाएगा। सरकार में इच्छाशक्ति की कमी नहीं सीआईआई के सम्मेलन में उपस्थित उद्योगपतियों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भाजपा के पूर्ण बहुमत नहीं आने के कारण बड़े फैसले नहीं लेने की आशंकाओं को खारिज कर दिया। प्रधानमंत्री ने साफ कर दिया कि उनकी सरकार के पास राजनीतिक इच्छाशक्ति की कोई कमी नहीं है और वे देश के नागरिकों को सहज और बेहतर जीवन सुनिश्चित करने के लिए काम रहे हैं।प्रधानमंत्री के अनुसार मौजूदा अंतरराष्ट्रीय अनिश्चितताओं के बीच भारत जिस तेजी और स्थायित्व के साथ विकास कर रहा है, वह पूरी दुनिया में अपवाद है। उन्होंने कहा कि जब सारे देश धीमी विकास और तेज मुद्रास्फीति से जूझ रहे हैं, वहीं भारत तेजी के विकास और कम मुद्रास्फीति वाला इकलौता देश है।

मिर्ज़ापुर सोनभद्र

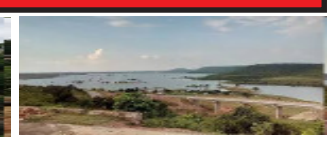

बोलेरो ने बाइक सवार दम्पति को मारी टक्कर,पत्नी की हालत नाजुक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मिर्जापुर। स्थानीय थाना क्षेत्र के हलिया - लालगंज मार्ग पर कस्बा स्थित रेंज ऑफिस के सामने मंगलवार दोपहर एक बोलेरो ने बाइक सवार पति-पतने को टक्कर मार दिया। दोनों घायल हो गए। पतने की हालत गंभीर होने पर उन्हें मंडलीय अस्पताल रेफर कर दिया गया।हलिया थाना क्षेत्र के बड़ौहा गांव निवासी 27 वर्षीय प्रभा शंकर व उनकी पतने 24 वर्षीय उर्मिला देवी मंगलवार सुबह किसी कार्य से बाइक से लालगंज गए हुए थे। दोपहर को वहां से वापस घर आ रहे थे। हलिया कस्बा पहुंचे तो उस दौरान सामने से जा रहे बोलेरो ने बाइक को धक्का मार दिया, जिससे दोनों बाइक सहित सड़क पर गिरकर घायल हो गए। ग्रामीणों की मदद से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया है। वहां डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद उर्मिला को मंडलीय अस्पताल के लिये रेफर कर दिया है। सूचना पर पहुचे उपनिरीक्षक बाली मौर्य ने बोलेरो को थाना परिसर में खड़ा करा दिया है।

सीडब्लुयूसी कार्यालय विकास भवन में बैठक बुलाकर तैयार की गई नशे के विरुद्ध कार्य योजना

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। दिनांक 30 जुलाई 2024 को विकास भवन स्थित सीडब्लुयूसी कार्यालय में बैठक आहूत कर नशा बच्चों को नशीले पदार्थ बेचने से प्रतिबंधित किया जाएगा। इसके संबंध में सीडब्लुयूसी के अध्यक्ष अखिल नारायण देव पांडे द्वारा दिशा निर्देशों को अमल में लाया जाएगा तथा अनुपालन सुनिश्चित कराया जाएगा।बैठक में बाल कल्याण समिति से अध्यक्ष अखिल

को रोकने एवं छोटे बच्चों तक इसकी पहुंच को रोकने तथा बच्चों को नशा मुक्त बनाने हेतु प्रभावी कार्य योजना बनाया गया। यह मीटिंग मंडल आयुक्त कार्यालय जनपद मिर्जापुर में बाल संरक्षण आयोग के अध्यक्ष माननीय डॉ0 देवेंद्र शर्मा जी के तत्वावधान में हुई समीक्षा बैठक के दिशा निर्देशों पर आधारित थी। बताते चलें की बाल संरक्षण आयोग के अध्यक्ष डॉ शर्मा द्वारा निर्देशित किया गया है कि जनपद के समस्त स्कूलों के आसपास कोई भी नशे की दुकान नहीं रहेगी, आसपास जो अन्य जनरल स्टोर आदि रहेंगे उनको मीटिंग में बताया गया कि जनपद में एक युद्ध नशे के विरुद्ध अभियान चलाकर उपरोक्त बिंदुओं पर कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।मीटिंग में प्रभारी थाना एएचटी रामजी यादव द्वारा बताया गया कि जनपद में बच्चो के बेहतर भविष्य के लिए बच्चो को नशे की लत से बचाना होगा और इसके लिए हम सब प्रतिबद्ध है। ओआरडब्लूयू शेषमणि दुबे द्वारा बताया गया कि इन प्रमुख बिंदुओं पर कार्य योजना तैयार कर प्रभावी कार्यवाही कराए जाने हेतु रणनीति तैयार कर ली गई है। आज की बैठक में अहम निणन्य लिए गए है। जल्द ही इसके नारायण देव पाण्डेय,सदस्य अमरेश चंद्र पाठक, रंजना चौबे, मांडवी सिंह, थाना मानव तस्करी रोधी से रामजी यादव मुख्य आरक्षी धनंजय यादव, अमन द्विवेदी ,जिला बाल संरक्षण इकाई से संरक्षण अधिकारी रोमी पाठक, गायत्री दुबे सामाजिक कार्यकर्ता आकांक्षा उपाध्याय,वीणा राव, ओ आर डब्लू शेषमणि दुबे, चाइल्ड हेल्प लाइन से प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर नीलू यादव काउंसलर अमन सोनकर सुपरवाइजर धर्मवीर सिंह ,सुधा गिरी, केस वर्कर सीमा शर्मा, अनिल यादव रविन्द्र आदि उपस्थित रहे।

कावड यात्रा को सकुशल संपन्न कराने हेतु मार्गो एवं शिविरों का हुआ निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। नोएडा पुलिस कमिशन्र गौतम बुद्धनगर श्रीमती लक्ष्मी सिंह के निर्देशानुसार डीसीपी नोएडा राम बदन सिंह के पर्यवेक्षण में एडीसीपी नोएडा मनीष कुमार मिश्र द्वारा कांवड़ यात्रा को सकुशल सम्पनन कराने हेतु नोएडा जोन के विभिनन क्षेत्रों चिल्ला बॉर्डर, शनि मंदिर, डीएनडी, ओखला पक्षी विहार रूट, कालिंदी कुंज पुल एवं बॉर्डर, सेक्टर-126 व फेस-1 क्षेत्र में कांवड़ियों से भेंट करते हुए कॉवड शिविरों एवं कॉवड मार्ग का निरीक्षण किया गया। उनके द्वारा एवं शिविर के अन्दर साफ-सफाई, पानी/बिजली की उचित व्यवस्था हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया तथा कॉवड शिविरों में विश्राम कर रहे एवं कांवड़ मार्ग पर यात्रा कर रहे शिव भक्तों से वार्ता कर उनका कुशलक्षेम पूछा गया तथा शिव भक्तों को कांवड़ यात्रा सकुशल सम्पनन करने हेतु उत्साहवर्धन किया गया। उनके द्वारा ड्यूटी पर तैनात पुलिस कमिर्यों की ब्रीफिंग कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये एवं सम्बन्धित थाना प्रभारी को निर्देशित किया गया कि कांवड़ यात्रा को लेकर पीसीआर, पीआरवी वाहनों द्वारा लगातार पेट्रोलिंग की जाये व यातायात व्यवस्था को दुरूस्त रखा जाये।

अधिवक्ताओं के पंजीयन में सुप्रीम कोर्ट का फैसला ऐतिहासिक- राकेश शरण मिश्र

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। नए अधिवक्ताओं के पंजीयन में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का संयुक्त अधिवक्ता महासंघ ने स्वागत किया है। महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष राकेश शरण मिश्र ने कहा है कि नए अधिवक्ताओं का बार कौंसिल में पंजीयन को लेकर सुप्रीम कोर्ट का जो फैसला आया है वो बहुत ही सराहनीय और स्वागत योग्य है। संयुक्त अधिवक्ता महासंघ इसके लिए सुप्रीम कोर्ट के प्रति आभार व्यक्त करता है क्योंकि इस फैसले से विगत कई वर्षों से अधिवक्ताओं से राज्यों की बार कौंसिल द्वारा पंजीयन के नाम पर मनमानी शुल्क लेने पर रोक लग गई है। इस फैसले से वकालत के क्षेत्र में आने वाले हजारों आर्थिक रूप से कमजोर अधिवक्ताओं को पंजीयन कराने में बहुत बड़ी सुविधा प्राप्त हो गई है क्योंकि बार कौंसिल द्वारा पंजीयन के रूप में पंद्रह से बीस हजार तक की फीस लेने के कारण आर्थिक रूप से कमजोर छात्र एल एल बी की डिग्री लेने के बाद भी अधिवक्ता के रूप में पंजीयन नही करवा पाते थे पर अब इस फैसले से ऐसे नए अधिवक्ताओं को वकालत के क्षेत्र में आने में अब काफ़ी राहत मिल गई है। श्री मिश्र ने बताया की एडवोकेट एक्ट की धारा 24 के अंतर्गत तय की पंजीयन फीस से अधिक फीस लेना गलत है और इस नियम के अंतर्गत सामान्य वर्ग से मात्र 750 रुपए एवम इसके अलावा अन्य वर्ग से केवल मात्र 125 रुपए ही लिया जाना चाहिए जबकि राज्यों की बार कौंसिल द्वारा विगत कई वर्षों से पंजीयन के नाम पर हजारों रुपए वसूला जा रहा था। जिस पर दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने बार कौंसिल द्वारा मनमानी पंजीयन फीस वसूली पर पूरी तरह रोक लगा दिया है जिसका सम्पूर्ण अधिवक्ता समाज दिल खोलकर स्वागत कर रहा है।

उपनिरीक्षक कमलेश यादव की लापरवाही पर पुलिस अधीक्षक की अबतक कोई कार्यवाही नहीं

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
राजगढ़/मिर्जापुर। पिछले 4 दिनों में पुलिस अधीक्षक ने 46 पुलिसकर्मी को एक जगह से दुसरे जगह स्थानांतरित किया तो किसी को लाइन हाजिर किया लेकिन थाना राजगढ़ में तैनात उपनिरीक्षक कमलेश कुमार यादव की लापरवाही पर अब तक एसपी मौन पड़े हुए हैं। राजगढ़ में पिछले 2 सालों से चल रहे किसान इंटर कालेज प्रकरण में 14 मार्च को किसी तरह मुकदमा दर्ज किया गया था जिसकी विवेचना करने के लिए कमलेश यादव को नियुक्त किया गया था। मुकदमा दर्ज करने के 130 दिन के उपरांत भी चार्जशीट दाखिल नहीं किया गया है। इनकी ये लापरवाही चुनावी मतगणना के बाद से लगातार जारी है, मतगणना के बाद इनसे वार्ता किया गया तो इन्होंने चुनाव का बहाना दिया और बोला कि 10 दिन में विवेचना कर लेंगे और चार्जशीट दाखिल कर देंगे लेकिन अब तक इनके द्वारा चार्जशीट दाखिल नहीं किया गया है और ना ही कोई विधिक कार्यवाही की गयी है। इस पर थानाध्यक्ष राजगढ़ अमित कुमार भी सनने दबाए हुए हैं। इन सब प्रकरण की जानकारी पुलिस अधीक्षक को है फिर भी उनके द्वारा विवेचक पर कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है,इतने दिन? से लापरवाही करने के पीछे कोई मोटी रकम ही हो सकती है जो चार्जशीट दाखिल करने से रोक रही है। पुलिस अधीक्षक इस समय पुरे मुड में है तो उम्मीद यहीं है कि उपनिरीक्षक की लापरवाही पर भी उचित कार्यवाही की जाएगी और चार्जशीट जल्द कोर्ट में दाखिल किया जाएगा ताकि भ्रष्टाचार में लिप्त किसान इंटर कालेज राजगढ़ प्रबंध समिति पर उचित कार्यवाही हो और सुयोग्य प्रबंध समिति कालेज का संचालन करें।

जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं से रूबरू करवाया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
डाला सोनभद्र। नगर पंचायत के

डाला क्षेत्र में मंगलवार को क्षतिग्रस्त सम्पर्क मार्ग को दुरूस्त करवाने और स्ट्रीट लाइट लगवाने के लिए अपना दल एस के श्रमिक मंच प्रदेश अध्यक्ष अंजनी पटेल ने अपर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर क्षेत्र की विभिनन समस्याओं से रूबरू करवाया।बताते चलें कि ज्ञापन में वाराणसी -शक्तिनगर मार्ग को जोड़ने वाली क्षतिग्रस्त डाला-ओबरा सम्पर्क मार्ग को नव निर्माण व डाला नगर में युवा खिलाड़ियों के लिए खेल के मैदान जैसे आदि समस्याओं से सम्बन्धित ज्ञापन सौंपा गया। वाराणसी शक्तिनगर मुख्यमार्ग पर रूट डायवर्जन के बाद से ही कुछ दिनों में ही डाला-ओबरा सम्पर्क मार्ग पुरी तरह से जर्जर और क्षतिग्रस्त हो गया था किन्तु वाराणसी शक्तिनगर मुख्यमार्ग पर आवागमन बहाल होने के बाद इस डाला-ओबरा सम्पर्क मार्ग पर ध्यान नहीं दिया गया जिसके कारण सम्पर्क मार्ग बड़े बड़े गड्ढों में तब्दील हो गया है जिसके कारण बारिश के दिनों में किचड़ और गड्ढों से आवाम को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।अपर जिलाधिकारी सहदेव मिश्रा ने बताया कि नगर में छतिग्रस्त संपर्क मार्ग और स्ट्रीट लाइट जैसी समस्याओं को लेकर लोगों से चर्चा हुआ है और उस संदर्भ में ज्ञापन भी मिला है जिसमें डुडा द्वारा प्रस्तावित कचहरी के समीप नाला से ओबरा को जोड़ने वाली सम्पर्क मार्ग और बस स्टैंड से सेक्टर बी तक सम्पर्क मार्ग के नव निर्माण और स्ट्रीट लाइट लगवाने की बात सामने आई है।जल्द ही समस्या का समाधान शुरू होगा।

जीएल बजाज में अल्मा फिएस्टा कार्यक्रम का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। नोएडा स्थित जीएल बजाज कॉलेज ने पूर्व छात्रों के लिए ‡अल्मा फिएस्टा‡ नामक कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम बैंगलोर के ताज होटल में आयोजित किया गया। जिसमें कॉलेज के पूर्व छात्रों ने एक शानदार शाम में अपने साथियों, वरिष्ठ छात्रों और शिक्षकों के साथ जुडी यादें और अनुभव साझा किये एवं हूपला जैसे कई गेम्स खेलकर मनोरंजन किया। इस दौरान ब्रिटिश गायक ऐश किंग ने ठनज़र ना लग जाए ,ते आमो, ये मौशम की बारिशठ जैसे अपने प्रसिद्ध गीत गाकर शमा बांधा जिनपर सभी छात्र नाचते गाते नज़र आए। सभी पूर्व छात्र अपने अध्यापकों से मिलकर बहुत खुश और उत्साहित दिखे छात्रों ने जल्द ही जीएल बजाज में आने और वर्तमान छात्रों से जुड़ने का वादा भी किया। संस्थान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कार्तिकेय अग्रवाल ने कार्यक्रम में शामिल होकर सभी छात्रों को भविष्य के लिए शुभकामनायें देते हुए कहा कि जीएल बजाज परिवार में आप सभी का हमेशा स्वागत है और आप जीवन में खूब तरक्की करते हुए नाम रोशन करें।

संविदा कर्मियों ने मजदूरी को लेकर बुलंद की आवाज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। ओबरा सी थर्मल पावर कापीरेशन के निर्माण संविदाकार दुसान कम्पनी का सहसंविदाकार इंडवेल कंपनी के निदेशक के0 वाई0 चक्रवर्ती, महाप्रबंधक निवास राव एंव साइड इंचार्ज बी0 पी0 ज्ञानेश्वर के बिरुद्ध अधिवक्ता विकाश शाक्य द्वारा प्रस्तुत परिवाद पर अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया है।मे0 इन्डवेल कंस्ट्रक्शन प्रा0 लि0 कम्पनी ओबरा तापीय परियोजना के सी प्लांट विस्तारीकरण मे दुसान कंपनी की निर्माण में सहायक कंपनी थी। इन्डवेल ने स्थानीय स्तर पर के0 एन0 इंस्ट्रूमेंट फर्म के प्रोपराइटर काशीनाथ प्रसाद से कार्य कराया। कार्य के सापेक्ष 8369117/रू (तिरासी लाख उन्हत्तर हजार एक सौ सत्तरह रुपए) का हिसाब था। बकाया पैसा मांगने पर गाली गलौज और मारपीट करने पर उतर आये तथा बगैर भुगतान के सारा समान लेकर भागा दिया।

लेखपाल संघ के नये अध्यक्ष पहुंचे गुरु से आशीर्वाद लेने

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। लेखपाल संघ के नये अध्यक्ष चुने जाने पर सुबोध सिंह को पुरे जनपद भर से बधाइयां देने का सिलसिला लगातार चल रहा है। लेखपाल संघ के नये अध्यक्ष चुने जाने पर सुबोध ने ज्योतिषविद देवेश मिश्रा गुरु से मिलकर आशीर्वाद लिया।वही देवेश मिश्रा गुरु ने कहा की निश्चय ही सुबोध सिंह एक बहुत ही नेक दिल इंसान है और लोगो की मदद करने के लिये सदैव तत्पर रहते हैं।ऐसे योग्य व्यक्ति को नेतृत्व मिलने पर निश्चय ही संघ के लोगों का भला होगा। लेखपाल संघ के नए जिलाध्यक्ष सुबोध सिंह ने गुरु के प्रति आभार व्यक्त किया है और कहा की निश्चय ही गुरु का मार्गदर्शन एंव आशीर्वाद प्रेरणादायक है।जिससे कुछ न कुछ अच्छा करने की प्रेरणा मिलती रहती है।इस सुअवसर पर यूथ आइकॉन सौरभ कांत पति तिवारी,डॉद संतोष मिश्रा, गोपेन्द्र,शरद आदि लोगों ने हर्ष व्यक्त किया है।

सेक्टर- 8 झुग्गी बस्ती में आग लगने से 3 बच्चियों की मौत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। झुग्गी बस्ती सेक्टर- 8, नोएडा (नियर बिजली घर) निवासी दौलत राम के घर पर आग लगने की घटना से उनकी 10 वर्षीय आस्था, 7 वर्षीय नैना, 5 वर्षीय आराध्या, बेटी की आग में बुरी तरह झुलसने के कारण दर्दनाक मौत हो गई तथा बच्चियों को बचाने में दौलत राम भी बुरी तरह घायल हो गए। उक्त घटना में पीड़ित परिवार से मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी गौतम बुद्ध नगर जिला प्रभारी गंगेश्वर दत्त शर्मा के नेतृत्व में पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल पार्टी नेता भारत डेंजर, रमाकांत सिंह, गणेश, जनवादी महिला समिति की नेता चंदा बेगम, गुड़िया देवी, रेखा चौहान आदि ने मुलाकात कर मृतक बच्चों के परिजनों के साथ शोक संवेदना व्यक्त करते हुए उन्हें ढांढस बंधाया कि इस दुख की घड़ी में हम सब आपके साथ है साथ ही उन्होंने जिला प्रशासन से पीड़ित परिवार की यथासंभव मदद करने की अपील भी किया।

पत्नी से छेड़खानी का विरोध करने पर पति को लाठी डंडे से पीटकर किया अधमरा, पुलिस जांच में जुटी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
राजगढ़। थाना क्षेत्र के खोराडीह ग्राम पंचायत के चंदनपुर बस्ती में सोमवार रात घर में सो रही महिला के साथ गांव का ही एक व्यक्ति छेड़खानी करने लगा। शोर मचाने पर उसे बचाने के लिए पहुंचे पति को छेड़खानी कर रहा युवक लाठी डंडों से पीट कर अधमरा कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस घायल व्यक्ति को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजगढ़ में भर्ती कराया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस मुकदमा पंजीकृत कर जांच की कार्यवाही में जुटी गई है। क्षेत्र के चंदनपुर गांव निवासी अधेड़ शेषमनी गरीब व विकलांग है। गांव के ही एक व्यक्ति का ट्रैक्टर चला कर परिवार का पालन पोषण करता है।शेषमनी ने बताया कि सोमवार को काम करने के बाद शाम को ट्रैक्टर मालिक के दरवाजे पर खड़ा करके अपने घर आया और भोजन करने के बाद घर के बाहर झोपड़ी में सोया गया। जबकि उसकी पतने अकेले घर के अंदर सोई थी। ट्रैक्टर मालिक रात लगभग 11:00 बजे उसके घर में घुस गया और घर के अंदर सो रही उसकी पतने के साथ छेड़खानी करने लगा। पतने का शोरगुल सुनकर पति शेषमनी भी घर के अन्दर पहुच गया और उसका विरोध करने लगा । जिसपर ट्रैक्टर मालिक अपने ड्राइवर शेषमनी को लाठी डंडों से पीटाई कर उसे लहूलुहान हाल में छोड़कर मौके से भाग निकाला। शोर गुल सुनकर मौके पर ग्रामीण इकट्ठा हो गए। ग्रामीणों ने गंभीर रूप से जख्मी शेषमनी को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। जहां उसका इलाज चल रहा है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस मुकदमा पंजीकृत कार्यवाही में जुटी गई है। राजगढ़ थाना प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार ने बताया कि खोराडीह गांव में विकलांग के साथ मारपीट किए जाने की तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

आपरेशन फरिश्ते के तहत रेलवे स्टेशन पर मिले 10 नाबालिग बच्चे को किया चाइल्ड लाइन को सुपुर्द

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मिर्जापुर। मिर्जापुर में घर से बिना बताये काम की तलाश पर निकले परिवार का नजर नहीं आया। उनकी संदिग्ध गतिविधि देखते हुए पूछताछ की गई। बच्चों ने बताया

10 नाबालिग बच्चों को रेलवे सुरक्षा बल ने चाइल्ड हेल्प डेस्क के सुपुर्द किया। ऑपरेशन नन्हें फरिश्ते के तहत सक्रिय टीम को सफलता मिली। बच्चों से जानकारी लेकर उनके परिजनों को अवगत कराया गया। जो अचानक गायब हुए बच्चों की तलाश में परेशान थे। बच्चों के कुशल होने और मिर्जापुर में पुलिस बल के पास होने की सूचना से परिजनों ने राहत की सांस ली।बच्चों ने बताया कि हम लोग घर से बिना बताये जा रहे हैं। स्थानीय रेलवे स्टेशन पर सहायक उप निरीक्षक कमलेश बरनवाल स्टेशन एरिया में साथियों के साथ गश्त पर थे। प्लेटफार्म नम्बर-2 और 3 पर करीब 10 बच्चे बैठे हुए मिले। जिनके साथ कोई कि हम लोग घर से बिना बताये जा रहे हैं। जिस पर उनसे नाम पता पूछा तो उन्होंने अपना नाम सुन्दर उम्र 17 वर्ष थाना चील्ह, सुरज पटेल उम्र 17 वर्ष थाना चोपन जिला सोनभद्र, लवकुश उम्र 17 वर्ष, उदय प्रताप उम्र 16 वर्ष, चन्द्रवली उम्र 16 वर्ष, अजीत उम्र 15 वर्ष, कमलेश उम्र 16 वर्ष, अजीत उम्र 17 वर्ष, गोलू उम्र 17 वर्ष और लवकुश उम्र 17 वर्ष बताया। स्टेशन पर मिले बच्चों की सूचना रेलवे चाइल्ड लाइन को दी गई। उत्तर प्रदेश की टीम के सुपर वाइजर सिद्धनाथ को जानकारी दी गई। जो मौके पर आये और बच्चों से प्यार से बात की। इसके साथ ही बच्चों के परिजनों से बात कर उन्हें जानकारी दी।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मचारियों ने किया विरोध प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। बुधवार को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मचारी संघ के प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर जिलाध्यक्ष पुष्पेंद्र शुक्ला के नेतृत्व मे पदाधिकारियों एवं वरिष्ठ कमिर्यों के साथ जिलाधिकारी महोदय सोनभद्र से मिलकर मुख्यमंत्री के नामित कर्मचारियों की 15 सूत्रीय मांगो को लेकर ज्ञापन पत्र सौपा, साथ ही अवगत कराया की संगठन के कार्यक्रम के अनुसार कल एवं परसो भी जनप्रतिनिधियों सांसद, विधायक के माध्यम से मा मुख़्यमंत्री उ. प्र. के नामित ज्ञापन सौपा जायेगा साथ ही मांगे न माने जाने पर दिंनाक 3-08-24 से दिनांक 5-08-24 तक ऑनलाइन रिपोर्टिंग बंद करके डिजिटल स्ट्राइक करके विरोध प्रदर्शन दर्ज कराया जायेगा साथ ही तय कार्यक्रम के तहत दिनांक 7-08- 24 को लखनऊ पहुंचकर मिशन निदेशक कार्यालय का घेराव किया जायेगा ज्ञापन सौपने वालो मे मुख्य रूप से।

स्पोर्ट्स

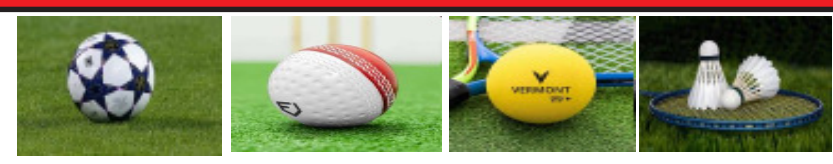

कप्तान चरिथ असलंका ने बल्लेबाजों पर फोड़ा हार का ठीकरा, सुपर ओवर में सूर्या एंड कंपनी को मिली जीत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। श्रीलंकाई टीम को तीन मैचों की टी20 सीरीज में भारत के हाथों क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा। पल्लेकेले में खेला गया तीसरा टी20 मैच भारत ने अपने नाम किया इस मैच का नतीजा सुपर ओवर में निकला, जहां श्रीलंका ने भारत को महज 3 रन का टारगेट दिया, जिसे सूर्या ने पहली गेंद पर चौके के साथ हासिल किया। तीन मैचों की टी20 सीरीज में श्रीलंकाई टीम की हार के बाद कप्तान चरिथ असलंका काफी नाराज नजर आए। उन्होंने टी20 सीरीज हारने के बाद बैटर्स पर भड़ास निकाली और मध्यक्रम बल्लेबाजों की गलत शॉट सेलेक्शन की भी आलोचना की दरअसल, पोस्ट मैच प्रेजेंटेशन में श्रीलंकाई टीम के कप्तान चरिथ असलंका ने कहा कि मैं हमारे बल्लेबाजी क्रम से, खासकर मध्यक्रम ने बहुत निराश किया। हमारे शॉट चयन बहुत खराब थे। स्पिनरों के खिलाफ बल्लेबाजी कर रहे थे, इसलिए हसरंगा को ऊपर भेजा गया। हमने उसे एक-दो बाउंड्री मारने की छूट दी, लेकिन यह हमारे किसी काम नहीं आया। इस पिच पर गलत शॉट सेलेक्शन हुआ। जब बॉल पुरानी हो जाती है, तो हमारे शॉट चयन बिल्कुल सही होना चाहिए। इन पिचों पर बल्लेबाजी करना बहुत कठिन होता है। लक्ष्य निश्चित रूप से हासिल किया जा सकता था, हमें बहाने नहीं बनाने चाहिए। पेशेवर क्रिकेटरों के रूप में, हमें इससे ज्यादा करना होगा। मैं एकदिवसीय मैचों में अच्छे बल्लेबाजी प्रदर्शन की उम्मीद करता हूं, न कि टी20 की तरह। हमारे टॉप तीन और चार ने अच्छा किया है, यही एकमात्र सकारात्मक बात है। लड़के बेहतर करेंगे।'' श्रीलंका ने भारत के खिलाफ तीसरे मैच में मिली हार के साथ एक अनचाहा रिकॉर्ड अपने नाम दर्ज किया। चरिथ असलंका की कप्तानी वाली श्रीलंकाई टीम ने टी20 में सबसे ज्यादा हार का रिकॉर्ड बना लिया। सुपर ओवर को मिलाकर, श्रीलंका ने ऊ20घ् में कुल 150 मैच हारे हैं। वहीं, बांग्लादेश की टीम 104 हार के साथ दूसरे स्थान पर है।

इंग्लिश कोच मैथ्यू मोट का इस्तीफा, मार्कस ट्रेस्कोथिक अंतरिम कोच नियुक्त

लंदन। टी-20 विश्व कप खिताब का बचाव करने में विफलता के बाद मैथ्यू मोट ने मंगलवार को इंग्लैंड क्रिकेट टीम के सीमित ओवरों के कोच के पद से इस्तीफा दे दिया। उनकी जगह पूर्व प्रारंभिक बल्लेबाज मार्कस ट्रेस्कोथिक को अंतरिम आधार पर नियुक्त किया गया है। इंग्लैंड को टी-20 विश्व कप सेमीफाइनल में अंततः चैंपियन बने भारत ने हराकर बाहर कर दिया था जबकि टीम पिछले वर्ष अपने 50 ओवर के विश्व कप खिताब का बचाव करने में भी असफल रही थी। 2022 में शुरू हुआ था कार्यकाल मोट का कार्यकाल इंग्लैंड के 2022 में आस्ट्रेलिया में अपना दूसरा टी-20 विश्व कप जीतने के साथ शुरू हुआ। इंग्लैंड ने फाइनल में पाकिस्तान को हराया था। इंग्लैंड पुरुष क्रिकेट के प्रबंध निदेशक राब की ने कहा, 'इंग्लैंड क्रिकेट से जुड़े सभी लोगों और व्यक्तिगत रूप से मेरी ओर से, मैं मैथ्यू को उनकी नियुक्ति के बाद से टीम के लिए किए गए सभी कार्यों के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं।'उन्होंने कहा, 'वह इंग्लैंड के साथ पुरुष विश्व कप जीतने वाले केवल तीन कोच में से एक के रूप में अपना पद छोड़ रहे हैं। कम समय में तीन विश्व कप चक्र के बाद अब मुझे लगता है कि टीम को आगे की चुनौतियों की तैयारी के लिए एक नई दिशा की आवश्यकता है।

संजू सैमसन ने लगातार दूसरे मैच में किया निराश, आखिरी टी20 में बनाया शर्मनाक रिकॉर्ड

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारत और श्रीलंका के बीच 3 मैचों की टी20 सीरीज का आखिरी मुकाबला पल्लेकेले स्टेडियम में खेला जा रहा है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत खराब रही और टीम ने 3 विकेट जल्दी खो दिए। संजू सैमसन ने लगातार दूसरे मैच में निराश किया। यशस्वी जायसवाल का विकेट गिरने के बाद 3 नंबर पर बल्लेबाजी करने आए संजू सैमसन ने 4 गेंदों का सामना किया और वह खाता तक नहीं खोल पाए। सीरीज के दूसरे टी20 में संजू ने पारी की शुरुआत की थी। इस मुकाबले में भी उनका खाता नहीं खुला था। विकेटकीपर बल्लेबाज गोल्डन डक का शिकार हुए थे।श्रीलंका की ओर से आज चामिंडु विक्रमसिंघे ने टी20 डेब्यू किया। अपने कोटे के दूसरे ओवर की 5वीं गेंद पर उन्होंने संजू सैमसन को वानिंदु हसरंगा के हाथों कैच आउट कराया। बड़ा शॉट लगाने का प्रयास कर रहे संजू ने बल्ले का मुंह जल्दी बंद कर दिया। गेंद ने बल्ले का किनारा लिया और हवा में टंग गई। हसरंगा ने कैच लपकने में कोई गलती नहीं की। इसके साथ ही संजू ने एक शर्मनाक रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। संजू टी20 इंटरनेशनल में एक साल में 3 बार डक का शिकार होने वाले चौथे भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले यूसुफ पठान 2009 में, रोहित शर्मा 2018 और 2022 में, विराट कोहली 2024 में तीन बार डक पर अपना विकेट गवां चुके हैं। इतना ही नहीं संजू टी20 इंटरनेशनल में दूसरे सबसे ज्यादा बार डक पर आउट होने वाले भारतीय विकेटकीपर (3) बन गए हैं। इस लिस्ट में टॉप पर ऋषभ पंत (4) हैं।

टी20 क्रिकेट में राशिद खान ने पूरे किए 600 विकेट, बने दुनिया के पहले स्पिनर और दूसरे गेंदबाज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अफगानिस्तान के ऑलराउंडर और टी20घ् कप्तान राशिद खान ने टी20 क्रिकेट में 600 विकेट ने का कमाल कर दिखाया है। राशिद 'कमाल' खान के नाम अन्य गेंदबाज हैं, जिसमें सुनील नरेन (557) और इमरान ताहिर (502) का नाम शामिल है। राशिद इस उपलब्धि को हासिल करने वाले सबसे युवा और सबसे तेज गेंदबाज बने।राशिद खान ने टी20 क्रिकेट उनका 18.25 का औसत रहा है। फटाफट क्रिकेट में 400 या उससे ज्यादा विकेट लेने वाले किसी भी खिलाड़ी के लिए यह औसत सर्वश्रेष्ठ है। राशिद खान का इकॉनमी रेट 6.47 का रहा है। राशिद खान को

से प्रसिद्ध अफगान स्पिनर यह उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे गेंदबाज बने। ट्रेंट रॉकेट्स के लिए खेलते हुए राशिद ने द हंड्रेड मेन्स कॉम्पिटिशन 2024 में मैनचेस्टर ओरिजिनल्स के पॉल वाल्टर को बोल्ड कर यह उपलब्धि अपने नाम की। राशिद खान से पहले यह कीर्तिमान वेस्टइंडीज के ड्वेन ब्रावो ने छुआ था। ड्वेन ब्रावो के नाम 578 टी20 मैच में 630 विकेट दर्ज हैं। राशिद खान ने 441वें टी20 मैच में 600 विकेट का आंकड़ा छुआ है। टी20 क्रिकेट में 500 या उससे अधिक विकेट लेने वाले केवल दो में इतिहास रच दिया है। राशिद ने द हंड्रेड मेन्स कॉम्पिटिशन 2024 में खेलते हुए यह उपलब्धि हासिल की। ट्रेंट रॉकेट्स के लिए खेलते हुए राशिद ने दो विकेट लिए। राशिद दुनिया भर की लीग आईपीएल बीबीएल द हंड्रेड ऍ20 श्थ्ण् ण्इथ् से लेकर आईएलटी20 तक सब खेलते हुए दिखाई देते हैं। राशिद इस उपलब्धि को हासिल करने वाले सबसे युवा गेंदबाज बने। राशिद खान ने साल 2015 में टी20 क्रिकेट में डेब्यू किया था। अब तक 441 टी20 मुकाबलों में 600 विकेट हासिल कर चुके हैं। इस दौरान दुनिया का सबसे खतरनाक स्पिनर्स में से एक माना जाता है राशिद खान ने फ्रेंचाइजी और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट दोनों में ही कोई सानी नहीं है। कम उम्र में राशिद खान इस प्रारूप में अब तक के सबसे महान खिलाड़ी बन सकते हैं। वह निश्चित रूप से टी20 क्रिकेट में 1,000 विकेट का आंकड़ा छू सकते हैं। राशिद ने में 121 मैच में 21.82 के औसत से 149 विकेट लिए हैं। गुजरात टाइटंस में शामिल होने से पहले राशिद सनराइजर्स हैदराबाद (2017-2021) का हिस्सा थे।

सरबजोत बचपन में हर खिलौना तोड़ देता, सिर्फ बंदूक रखता था संभालकर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
अंबाला। ओलंपिक में 10 मीटर एयर पिस्टल शूटिंग के मिक्स्ड टीम स्पर्धा में मनु भाकर के साथ कांस्य पदक जीतने वाले सरबजोत सिंह की मां की खुशी का ठिकाना नहीं है। मां हरदीप कौर ने बताया जीतेगा। ओलंपिक में 10 मीटर एयर पिस्टल शूटिंग के मिक्स्ड टीम स्पर्धा में मनु भाकर के साथ कांस्य पदक जीतने वाले सरबजोत सिंह की मां की खुशी का ठिकाना नहीं है। मां हरदीप कौर ने बताया कि बचपन में सरबजोत हर

कि बचपन में सरबजोत हर खिलौना तोड़ देता था, लेकिन बंदूक को संभालकर रखता था। बचपन का जो शौक था, वह उसे आज आसमान की बुलंदियों तक ले गया।सरबजोत सिंह की मां हरदीप कौर व दादी लाभ कौर ने बताया कि बचपन में खिलौना का शौक हर किसी को होता है और उन्होंने भी भाइयों सरबजोत सिंह व किरणजोत सिंह को खिलौने लाकर दिए थे। किरणजोत तो हर खिलौने के साथ खेलता था, लेकिन सरबजोत कुछ समय बाद या फिर अगले दिन उसे तोड़ देता था। जब उससे खिलौना तोड़ने की बात करते तो बस बंदूक उनकी ओर कर फायर कर भाग जाता। मां ने कहा कि उनको क्या पता था कि जिस तरह से वह बंदूक संभालकर रखता है, वह आगे चलकर देश का नाम रोशन करेगा और ओलंपिक में देश के लिए पदक खिलौना तोड़ देता था लेकिन बंदूक को संभालकर रखता था। बचपन का जो शौक था वह उसे आज आसमान की बुलंदियों तक ले गया। सरबजोत सिंह ने वर्ष 2016 में कोच अभिषेक राणा का हाथ थाम लिया। आठ साल की कड़ी मेहनत के बाद आज ओलंपिक में सरबजोत ने कांस्य पदक जीत लिया। मां ने कहा कि सरबजोत स्कूल से घर लौटते ही अभ्यास के लिए चला जाता और फिर रात को आता। पिता जितेंद्र सिंह बताते हैं कि वर्ष 2012 में पहली बार स्कूल की वालीबाल टीम में खेलने के लिए भेजा था। स्कूल में चल रही निशानेबाजी प्रतियोगिता में किसी ने भाग नहीं लिया। मुख्य अध्यापक ने सरबजोत सिंह को निशानेबाजी में भाग दिला दिया। वहीं सरबजोत गोल्डन ब्वाय बन गया।

सूर्यकुमार यादव से आखिरी ओवर में हुआ ब्लंडर इस वजह से सुपर ओवर में पहुंचा मुकाबला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज को 3-0 से अपने नाम किया। पल्लेकेले में खेले गए तीसरे और आखिरी टी20 मैच सुपर ओवर तक पहुंचा और वहां भारत ने बिना किसी गलती के मैच अपने नाम किया।पहले दो मैचों की तरह, श्रीलंका ने तीसरे टी20 में भी डेथ ओवर्स में समस्याएं झेली। खलील अहमद ने 18वें ओवर में 12 गेंदों पर 18 रन दिए।वहीं, आखिरी दो ओवरों में रिंकू सिंह और सूर्यकुमार ने गेंदबाजी की। सुपर ओवर में वॉशिंगटन सुंदर की शानदार गेंदबाजी ने भारत को क्लीन स्वीप दिलाने में अहम भूमिका निभाई, लेकिन इस मैच में कप्तान सूर्या से एक बड़ी गलती हुई, जिसकी वजह से ये मुकाबला सुपर ओवर तक पहुंचा। आइए जानते है इस बारे में डिटेल। की एक गलती की वजह से सुपर ओवर में पहुंचा मुकाबल पल्लेकेल में खेला गया भारत-श्रीलंका का आखिरी टी20 मैच बारिश की वजह से लेट शुरू हुआ, जहां भारतीय टीम का टॉप ऑर्डर पावरप्ले में ही ध्वस्त हो गया। एक समय टीम इंडिया 48 रन पर पांच विकेट खो चुकी थी। इसके बाद भारतीय टीम ने शुभमन गिल (39) और रियान पराग (26) फिर अंत में वॉशिंगटन सुंदर (25) के सहारे 137 रन का स्कोर बनाया।इसके जवाब में श्रीलंका की शुरुआत अच्छी रही। कुसल परेरा और कुसल मेंडिस की पारियों के दम पर श्रीलंका ने लक्ष्य का पीछा करना शुरू किया, लेकिन भारतीय स्पिनर्स ने 26 गेंदों में 27 रन पर 7 विकेट लेकर श्रीलंका की पारी को बराबरी पर ला दिया। हालांकि, ये मैच सुपर ओवर से बचा जा सकता था अगर सूर्यकुमार यादव से एक गलती न होती। आखिरी ओवर में छह रन का बचाव करते हुए, कप्तान ने पहले तीन गेंदों पर दो विकेट जरूर चटकाए। लेकिन चौथी गेंद पर असिथा फर्नांडो ने उन्हें हैट्रिक से रोक दिया।आखिरी गेंद पर, विक्रमसिंघे ने सूर्यकुमार यादव की फुलर डिलीवरी को लॉन्ग-ऑन की तरफ खेला और दो रन के लिए वह भागे। इतने में शुभमन गिल, जो बाउंड्री पर खड़े थे, उन्होंने तुरंत बॉल को पकड़ा और इसे नॉन-स्ट्राइकर के एंड पर कप्तान सूर्यकुमार यादव की ओर फेंक दिया।

राशि फल

कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे हैं

आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे

किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।

आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।

आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे हैं तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते है। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।

आज आप पतनी के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।

स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।

आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन रहेगा।

आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।

मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

पेरिस ओलंपिक पर वर्षा के बाद अब लू का खतरा सीन नदी पर होने वाली पुरुष ट्रायथलान स्थगित

पेरिस। पेरिस ओलंपिक की शुरुआत उद्घाटन समारोह में वर्षा के साथ हुई थी जिसने दर्शकों के साथ खिलाड़ियों को भी तर कर दिया था, लेकिन अब यहां लू का खतरा मंडराने लगा है। मंगलवार को यहां तेज गर्मी महसूस की गई और राष्ट्रीय मौसम एजेंसी ने कहा कि फ्रांस के अधिकांश हिस्से में लू की चेतावनी जारी की गई है तथा पेरिस और आसपास के इलाकों में तापमान 35 डिग्री सेल्सियस या इससे अधिक तक पहुंचने की संभावना है। फ्रांस के दक्षिणी हिस्से में गर्मी अधिक कहर बरपा सकती है। इसमें भूमध्य सागर का तटीय शहर मार्सिले भी शामिल है, जो फुटबॉल और नौकायन जैसी ओलंपिक प्रतियोगिताओं की मेजबानी कर रहा है। सोमवार को दक्षिणी फ्रांस के कुछ हिस्सों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक था। मंगलवार को इसमें और बढ़ोतरी होने की संभावना है। वर्षा के कारण खेलों की खराब शुरुआत के बाद आयोजक अब प?लेयर्स और दर्शकों को गर्मी से बचने के लिए आगाह कर रहे हैं। मौसम विभाग में इसके साथ ही अगले दो दिनों में यहां शाम को तूफान आने की भविष्यवाणी भी की है। सीन नदी में पानी की गुणवत्ता की चिताओं के कारण मंगलवार को होने वाली पुरुष ट्रायथलान को स्थगित कर दिया गया है। सीन नदी पर इस खेल की तैराकी स्पर्धा का आयोजन किया जाना है। आयोजकों ने कहा कि वे पुरुषों की ट्रायथलान को बुधवार को आयोजित करने का प्रयास करेंगे। महिलाओं की प्रतियोगिता भी बुधवार को निर्धारित है, लेकिन इन दोनों का आयोजन पानी की गुणवत्ता पर निर्भर करेगा। मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार, बुधवार और गुरुवार की शाम को तूफान आ सकता है जिससे स्थिति और बिगड़ सकती है।

सम्पादकीय

जयपुर में सोशल मीडिया के सहारे बन गया 150 युवाओं का गैंग, आखिर कमी कहां है

जयपुर के कंगला गैंग से जुड़े अपराधी काले रंग की बाज बनी हुई टी-शर्ट पहनकर वारदात को अंजाम दे रहे थे। इनमें अधिकांश युवा ग्रामीण पृष्ठभूमि के हैं, जो 100 सीसी की बाइक से गांव से सुबह जयपुर आते थे। गैंग मोबाइल का मॉडल बताने पर उसे लूट लेता था।

वर्ष 2004 में बॉलीवुड फिल्म धूम आई थी, जिसमें हीरो अपने गैंग के साथ बाइक पर चोरी करने निकलता था। फिल्म धूम का गाना 'धूम मचाले धूम' बहुत प्रसिद्ध हुआ था। फिल्म धूम को देखकर कई युवाओं में बाइक से चोरी और लूट करने का क्रेज बढ़ा। हालांकि, इसका कोई सटीक आंकड़े तो नहीं है, लेकिन बाइक से चेन, मोबाइल आदि लूटने वाले युवा विभिनन शहरों में पकड़े गए। जयपुर में ऐसा एक गैंग पकड़ा गया है, जिसने सबको चौंका दिया है। यह गैंग फिल्म धूम की तर्ज पर लूटकर रहा है। गैंग का नाम सरगना ने कंगला रखा और सोशल मीडिया के माध्यम से गैंग में भर्ती हो रही थी। गैंग से डेढ़ सौ युवा जुड़ गए। ऐसे गैंग पनपने के पीछे बेरोजगारी एक बड़ा कारण है या युवाओं में बढ़ते महंगे शौक, यह शोध का विषय है। फिल्मों के साथ अपराध के प्रति प्रेरित करने का बड़ा कारण ओटीटी प्लेटफॉर्म पर क्राइम वेब सीरीज भी है।जयपुर के कंगला गैंग से जुड़े अपराधी काले रंग की बाज बनी हुई टी-शर्ट पहनकर वारदात को अंजाम दे रहे थे। इनमें अधिकांश युवा ग्रामीण पृष्ठभूमि के हैं, जो 100 सीसी की बाइक से गांव से सुबह जयपुर आते थे। गैंग मोबाइल का मॉडल बताने पर उसे लूट लेता था। मोबाइल को मात्र 5000-8000 रुपए में दूसरे गैंग को बेच देता था। गैंग का जो सरगना पुलिस की गिरफ्त में आया है, वो ग्रेजुएट है। गैंग के अन्य बदमाश अभी पुलिस की पकड़ से दूर हैं। पढ़-लिखकर नौकरी या कोई व्यवसाय करने के बजाय संगठित रूप से इकट्ठा होकर चोरी और लूट की वारदात कर रहे ऐसे युवा निश्चित ही समाज के लिए बड़ा खतरा हैं। पुलिस के लिए एक बड़ी चुनौती है। पुलिस के समक्ष मुश्किल यह भी है कि कुछ दिन जेल में रहने के बाद ऐसे बदमाशों को कोर्ट से जमानत मिल जाती है। ये दोबारा ऐसी घटनाओं का अंजाम नहीं देंगे, इसकी कोई गारंटी नहीं ले सकता। आखिर ऐसी कौन सी मजबूरी है? जो ऐसे युवा मेहनत करने के बजाय गलत रास्ते को चुन रहे हैं। एक कारण बेरोजगारी का नजर आता है। ताजा आंकड़ों में देश में बेरोजगारी की दर 6.7 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है, यानी सभी पढ़े-लिखे युवाओं के लिए रोजगार पाना बेहद मुश्किल हो गया है। दूसरा कारण ग्लैमर है। युवाओं में महंगे शौक बढ़े हैं, जिन्हें पूरा करने के लिए वो किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं। सोशल मीडिया, ओटीटी प्लेटफॉर्म, बॉलीवुड और हॉलीवुड की फिल्मों से भी युवा आइडिया ले रहे हैं। खासकर ओटीटी की क्राइम वेब सीरीज का क्रेज युवाओं में बहुत बढ़ चुका है। देश में कई ऐसी वारदात का खुलासा पुलिस ने किया है, जो ओटीटी वेब सीरीज से प्रेरित होकर की गई थीं। सरकार से यह मांग समय-समय पर होती आ रही है कि वो फिल्मों और ओटीटी प्लेटफॉर्म के कंटेंट को फिल्टर करने का सिस्टम बनाए, जो युवाओं को अपराध करने के लिए प्रेरित करती है या उन्हें कमाई का शॉर्टकट बताती हैं, लेकिन अब तक इस पर कंट्रोल करने का कोई भी ठोस सिस्टम सरकार की तरफ से नहीं बनाया गया है। कमाल की बात यह है कि चोरी के आइडिया देती हुई फिल्म धूम के पहले पार्ट के बाद दो और पार्ट रिलीज हो गए, जिसमें हीरो चोर ही बना और चोरी के आइडिया दिए गए। युवाओं को अपराधों से दूर करने में समाज का रोल भी बहुत बड़ा है। खासकर परिवार के स्तर पर युवा को अपराधी बनने से रोका जा सकता है। यदि परिवार के लोग अपने बच्चे पर नजर रखें। उसके महंगे शौक पर तहकीकात करें, आखिर पैसा कहां से आ रहा है? बच्चा क्या करता है? कहां जाता है? निश्चित रूप से परिवार इस दायित्व को निभाकर बच्चे को सही राह पर ला सकता है। बेरोजगारी को लेकर तो सरकार चिंतित नजर आ रही है। अभी पेश केंद्रीय बजट में सरकार ने पढ़े-लिखे बेरोजगारों के लिए कई घोषणाएं की हैं। देश की शीर्ष 500 कंपनियों में एक करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप कराई जाएगी। मुद्रा योजना के माध्यम से स्वरोजगार को बढ़ावा दिया जा रहा है। स्टार्ट अप की योजनाएं सरकार लाई है। इंफ्रास्ट्रक्चर से लेकर मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देकर रोजगार सृजित करने की बात है। यह उपाय तो ठीक हैं, लेकिन फिल्मों और ओटीटी के कंटेंट पर भी नजर बनाकर सरकार अपराधों पर लगाम लगा सकती है। फिर गलत रास्ता चुनने वाले युवाओं को समझना चाहिए कि अपराध की जिंदगी बहुत छोटी होती है। कुछ दिन तो लूट के पैसे से अय्याशी हो सकती है।

युवा आबादी में देश को वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बनाने की क्षमता

बजट में प्रस्तावित इंटर्नशिप योजना को लेकर लोगों में दिलचस्पी बढ़ी है। इस योजना का लक्ष्य 500 शीर्ष भारतीय कंपनियों के माध्यम से पांच साल में एक करोड़ युवाओं को कौशल प्रदान करना है। इसका लक्ष्य 21 से 24 वर्ष के वैसे युवा हैं, जो न तो कहीं नौकरी करते हैं और न ही जिन्होंने पूर्णकालिक शिक्षा हासिल की है।यह कोई रहस्य नहीं है कि भारत की युवा आबादी में देश को वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बनाने की क्षमता है। 65 फीसदी से ज्यादा भारतीय 35 वर्ष से कम उम्र के हैं। भारतीयों की औसत आयु मात्र 28 वर्ष है। यह भी किसी से छिपा नहीं है कि इस संभावित गतिशील, युवा कार्यबल को एक बड़ी बाधा का सामना करना पड़ता है- कौशल का अंतर, जो नियोक्ता द्वारा कर्मचारियों से अपेक्षित कौशल और कर्मचारियों के पास वास्तव में मौजूद कौशल के बीच की असमानता को बताता है भारत के लाखों युवक-युवतियों के पास, जिनमें औपचारिक डिग्रीधारी भी शामिल हैं, देश में या उसके बाहर आज के गतिशील कार्यस्थल के लायक जरूरी कौशल का अभाव है, चाहे वह विनिर्माण का क्षेत्र हो या सेवा का। भारत की?उननति तभी होगी, जब उसका कार्यबल तेजी से बदलते कामकाज की दुनिया में कार्य करने के लिए तैयार हो। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बिग डाटा, डाटा एनालिटिक्स और साइबर सुरक्षा तेजी से भविष्य के मुख्य कौशल बनते जा रहे हैं। इसके अलावा, विश्लेषणात्मक सोच, नेतृत्व क्षमता, संकट प्रबंधन और टीम के साथ मिलकर काम करने का हुनर भी महत्वपूर्ण है। बेशक कुछ सम्मानजनक अपवाद है, लेकिन अब भी भारत की शिक्षा प्रणाली व्यापक स्तर पर रटने पर ज्यादा ध्यान केंद्रित करती है, जिससे युवा लोग कार्य की बदलती दुनिया के लिए अयोग्य साबित होते हैं। इसमें बदलाव की जरूरत है, और इसके लिए व्यापक तौर पर फिर से प्रतिभा को तराशने और पुनर्कौशल की जरूरत है। यह सब नरेंद्र मोदी सरकार के केंद्रीय बजट-2024 में प्रस्तावित नई इंटर्नशिप योजना के लिए प्रासंगिक हैं। कौशल पर ऐसे समय में जोर दिया गया है, जब 2023-24 के आर्थिक सर्वेक्षण में पाया गया है कि कॉलेज से निकलने वाले दो में से लगभग एक सनतक रोजगार के योग्य नहीं है। आर्थिक सर्वेक्षण में बताया गया है कि, 'अनुमानों से पता चलता है कि लगभग 51.25 फीसदी युवा ही रोजगार के योग्य माने जाते हैं। यानी कॉलेज से निकलने वाले लगभग दो में से एक युवा अभी रोजगार के लिए तैयार नहीं माने जाते हैं। हालांकि यह ध्यान देने योग्य है कि पिछले दशक में यह आंकड़ा 34 फीसदी था, जो बढ़कर 51.3 फीसदी हो गया है।' सर्वेक्षण में यह भी कहा गया है कि?2030 तक सालाना औसतन लगभग 78.5 लाख नौकरियां पैदा करने की जरूरत है। बजट में प्रस्तावित इंटर्नशिप योजना को लेकर लोगों में दिलचस्पी बढ़ी है। इस योजना का लक्ष्य 500 शीर्ष भारतीय कंपनियों के माध्यम से पांच साल में एक करोड़ युवाओं को कौशल प्रदान करना है। इसका लक्ष्य 21 से 24 वर्ष के वैसे युवा हैं, जो न तो कहीं नौकरी करते हैं और न ही जिन्होंने पूर्णकालिक शिक्षा हासिल की है। आईआईटी, आईआईएम, आईआईएसईआर और चार्टर्ड एकाउंटेंसी कॉलेज के सनतक इसके योग्य नहीं हैं। अधिकांश लागत सरकार खुद वहनकरेगी, लेकिन संगठनों को अपने सीएसआर (कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी) फंड से इसमें योगदान देना जरूरी है। इस योजना पर नजर डालने से पता चलता है कि इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए भारत की शीर्ष 500 कंपनियों में से प्रत्येक को पांच वर्ष में 20,000 युवाओं को इंटर्नशिप कराना होगा, यानी हर साल 4,000 युवाओं को। प्रशिक्षुओं को प्रति माह 5,000 रुपये इंटर्नशिप भत्ता और 6,000 रुपये की एकमुश्त सहायता राशि देनी होगी। कंपनियों से अपेक्षा है कि वे अपने सीएसआर फंड से प्रशिक्षण लागत और इंटर्नशिप लागत का 10 फीसदी वहन करें। यकीनन यह एक महत्वाकांक्षी योजना है। लेकिन अभी तक इसके बारे में पूरी जानकारी नहीं है और योजना के बारे में जवाबों से ज्यादा सवाल हैं। सरकार ने इस पर जोर दिया है कि यह योजना 'स्वैच्छिक' है, जिसका मतलब है कि किसी भी कंपनी को इसमें शामिल होने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता है। अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि प्रस्तावित योजना में किन 500 कंपनियों का संदर्भ दिया जा रहा है। एक कंपनी के मानव संसाधन (एचआर) प्रमुख ने नाम न छापने की शर्त पर बताया, 'हालांकि सरकार का रोजगार सृजन का इरादा सही दिशा में है, लेकिन एक साल में संख्या को 500 से बढ़ाकर 4,000 तक पहुंचाना हमारे लिए मुश्किल होगा।' एक और चिंता यह है कि यदि इंटर्न नौकरी छोड़ देता है या कंपनी उसे बीच में ही हटा देती है, तो फंड का क्या होगा? एक और जरूरी बात है कि प्रभावी कौशल विकास के लिए एक मजबूत आधार की जरूरत होती है। अगर गांवों में रहने वाले लोगों सहित औसत भारतीयों के लिए बुनियादी शिक्षा की गुणवत्ता खराब रहती है, तो आधार कमजोर रहेगा। इसलिए बुनियादी शिक्षा पर भी उतना ही ध्यान देने की जरूरत है। प्रस्तावित इंटर्नशिप योजना की मंशा अच्छी है, लेकिन इसे और अधिक विस्तार से समझने की आवश्यकता है।

प्रेमचंद की कहानियां समय की मर्मस्पर्शी कथा चित्र हैं ए0के0 त्यागी

सोनभद्र । महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ ए वाराणसी के कुलपति प्रोण् आनंद कुमार त्यागी ने कालजयी कथाकार मुंशी प्रेमचंद की कहानियों को अपने समय और समाज के मर्मस्पर्शी कथा चित्र की संज्ञा दी । संत कीनाराम सनतकोत्तर महाविद्यालय ए राबर्ट्सगंज के सभागार में मुंशी प्रेमचंद की 144 वीं जयंती पर बुधवार को गोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में अपना वकतब्य दिया। प्रेमचंद के कथा साहित्य की वर्तमान समय में प्रासंगिकता विषय पर प्रोण् त्यागी ने कहा . प्रेमचंद की प्रसिद्ध कहानी शतरंज के खिलाड़ी आदमी की इस मानसिकता पर तीखा प्रहार है कि दुनियां में आग लगती रहे ए उन्हें सिर्फ अपने मजे से मतलब है । इस कहानी में मिर्जाजी और मीर साहिब शतरंज खेलते रहेए आखिर अंग्रेजी फौज ने लखनऊ पर कब्जा कर लिया और वे दोनो खेलऋ खेल में लड़ पड़े एफिर एक दूसरे को मौत के घाट उतार दिया । प्रेमचंद को उपन्यास सम्राट ए कलम का सिपाही ए कलम का जादूगर और इसी प्रकार के अनेक नामों से पुकारा जाता है ए जो सर्वथा उचित है। संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए पूर्व कुलपति प्राविधिक विश्वविद्यालय ए लखनऊ के प्रोण् दुर्ग सिंह चौहान ने कहा कि एष् मुंशी प्रेमचन्द जी के कथा साहित्य में कई ऐसी कहानियां है ए जो दिलो दिमाग को झकझोरने और मर्म स्थल को तीव्रता से छू लेने वाली है । नमक का दरोग ए ईदगाह ए पूस की रात ए पंच परमेश्वर और गुल्लीऋ डंडा आदि ऐसी ही कहानियां है जो पाठक के अंतः स्थल पर ऐसी छाप छोड़ देती है ए जो हमेशा के लिए अंकित होकर रह जाती है । करीब दर्जन भर उपन्यास और सवा तीन सौ कहानियां रचकर भारतीय स्वाधीनता आंदोलन में कलम के सिपाही के रूप में शिरकत करने वाले प्रेमचंद का निधन 8 अक्टूबर 1936 को हो गया ए लेकिन उनके पात्र वर्तमान समय में भी समाज में मिल जाएंगे । संत कीनाराम सनतकोत्तर महाविद्यालय राबर्ट्सगंज के संस्थापक संरक्षक ए श्री हरिश्चंद्र सनतकोत्तर महाविद्यालय ए वाराणसी से सेवानिवृत प्राचार्य ए साहित्यकार ए लेखक डॉ0 गया सिंह ने कहा कि हिन्दी ऋ उर्दू कथाऋसाहित्य की कर्मभूमि बदल कर ए यथार्थवादी कायाकल्प करने वाले अमर शिल्पी कथाकार धनपत राय श्रीवास्तव ने पीडित मानवता के मर्म को अपनी कहानियों में जिस ढंग से उकेरा है ए उसकी प्रासंगिकता वर्तमान समय में भी उतनी ही है ए जितनी ब्रिटिश काल में थी । नबाब राय का नाम छोड़ कर प्रेमचंद नाम से लिखने वाले इस कथा शिल्पी का जन्म 31 जुलाई ए 1880 ई को वाराणसी के निकट लमही गांव में हुआ था । आज कहानी उपन्यास लिखने वालों के लिए वह तीर्थ के समान है । ठाकुर का कुंआ ए नमक का दरोगा कहानी हिन्दी साहित्य में चर्चा के केंद्र में रही है । प्रेमचंद ने न केवल दलित जीवन को छुआ ए बल्कि उसके संकट को शिद्दत से उभारा और दलितों के साथ हो रहे अमानवीय व्यवहार को व्यापक फलक पर रेखांकित भी किया । पूर्व विभागाध्यक्ष हिन्दी विभाग, महात्मा गॉधी काशी विद्यापीठ वाराणसी, प्रोण् सुरेन्द्र प्रताप ने गोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि प्रेमचंद त्याग के प्रतिमूर्ति थे । शिक्षा विभाग में नौकरी करते हुए वे सब ऋ डिप्टी इंस्पेक्टर ऑफ स्कूल बने ए लेकिन महात्मा गांधी के असहयोग आंदोलन में सक्रिय होने के कारण नौकरी छोड़ी और हंस पत्रिका की शुरुआत कर लेखन कार्य में जुट गए। वरिष्ट समीक्षक डॉ0 इन्दीवर पाण्डेय ने कहा कि प्रेमचन्द की प्रासगिकता को किसी भी हाल में चुनौती नही दी जा सकती। प्रेमचन्द की रचना कल भी प्रासगिक थी आज भी प्रासंगिक है और कल भी प्रासंगिक रहेगी। समस्या को अपने उपन्यास का विषय बनाकर रचना के क्षेत्र में मील का पत्थर स्थापित किया है। उपन्यासकार एवं असुविधा पत्रिका के संपादक रामनाथ शिवेंद्र ने कहा किए ष् गांधी जी के सामाजिक तथा राजनीतिक सरोकारों ने उनके समकालीन वैश्विक परिदृश्य पर गहरा असर डाला था । वे सरोकार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं और उसका असर उतना ही अधिक मूल्यवान है ए सत्य और अहिंसा की तरह ही वह देश काल से बाधित नही है । संगोष्ठी की प्रस्तावना रखते हुए और शब्द प्रसून से मुख्य अतिथि और अभ्यागतों का स्वागत करते हुए प्राचार्य डॉण् गोपाल सिंह ने प्रेमचंद के साहित्य में सोद्देश्यता पर प्रकाश डाला । उन्होंने कहा कि प्रेमचंद बिना किसी वाद में बंधे ए जैसा मणिकांचन समावेश किया ए वह धीरे धीरे दुर्लभ होता जा रहा है । सोद्देश्यता के पीछे जो सहृदयता अधिष्ठित है ए उसे अब अतिभावुक सरलीकरण कहा जाने लगा है किंतु सबके उदय का सर्वोदय के जिस भाव का अभिसिंचन गांधी जी अजीवन करते रहे ए वह भाव कभी भी कालबाह्य नही हो सकता । श्री सिंह ने कहा कि प्रेमचंद छायावाद काल में सक्रिय रहे । छायावाद का समय 1918 से 1938 तक माना जाता है । हिन्दी में प्रेमचंद का पहला उपन्यास सेवासदन 1918 में प्रकाशित हुआ और अंतिम उपन्यास गोदान 1936 में छपा । इस बीच वह लगातार कहानियां भी लिखते रहे और पत्रिकाओं का संपादन भी करते रहे । उन्होंने कहा प्रेमचंद वस्तु परक रहे । समाज की धड़कने उनके उपन्यासों और कहानियों में धड़कती है । उनके साहित्य में गांवए खेत ए खलिहान ए गरीबी ए राष्ट्रीय आंदोलन की छवि ए मनुष्य की जिजीविषा ए उसके संकट आदि अभिव्यक्त है ।कुलपति प्रोण् आनन्द कुमार त्यागी का महाविद्यालय परिवार की ओर से डाण् गया सिंह ए डा ण् गोपाल सिंह ने प्रवेश द्वार पर भव्य स्वागत किया । संत कीनाराम सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल के बच्चों ने बैंड बजाते हुए कुलपति की अगवानी और आव भगत किया तो पब्लिक स्कूल की गैलरी में खड़ी संत कीनाराम महिला सनतकोत्तर महाविद्याल की छात्राओं ने भारतीय परिधान में सजी सर पर मंगल कलश रखे गुलाब की पंखुड़ियों से पुष्पा वर्षा कर द्वितीय सेवा विस्तार पाए प्रोण् त्यागी का भव्य स्वागत किया ।मंच पर आने के पूर्व प्रोण् ए.के. त्यागीए कुलपति महात्मा गॉधी काशी विद्यापीठ वाराणसी व प्रोण् दुर्ग सिंह चौहान एवं सदस्य राज्यसभा रामसकल जी ने विधि विधान से संत कीनाराम ए मां सरस्वती ए मुंशी प्रेमचंद और गणेश जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर माल्यार्पण किए । प्रोण्त्यागी और प्रोण् चौहान को महाविद्यालय की ओर से बाघम्बर ए संत कीनाराम की तस्वीर ए अघोर सम्मान पत्र ए केसरिया साफा और स्मृति चिन्ह प्रदान कर सारस्वत सम्मान किया गया । विभिनन महाविद्यालयों के प्रबंधकों और प्राचार्यों ने भी कुलपति का सम्मान किया । गोष्ठी और सम्मान समारोह का संचालन सुरसरी द्विवेदी एवं डॉ0 रबीन्द्र प्रसाद मौर्य ने किया । इस मौके पर पूर्व विधायक तीरथराज, पूर्व ब्लॉक प्रमुख और प्रबंधक मधुसूदन सिंह ए डॉक्टर अखिलेश मिश्र ए प्रबंधक ए जय मां भगवती सोनांचल पीजी कालेज ए मनीष पाण्डेय ए प्रबंधक ए ईश्वर प्रसाद पीजी कालेज ए डॉक्टर विमलेश कुमार त्रिपाठी ए लाल बहादुर सिंह ए प्रबंधक ए महारानी लक्ष्मी बाई महाविद्यालय ए राम रक्षा केशरी ए प्रबंधक ए अरुण केशरी ए महाविद्यालय ए दयाशंकर सिंह ए प्रबंधक ए दयाशंकर कुशवाहा महाविद्यालय ए बाबू हिमांशु सिंह ए शीतला सिंह ए दयाशंकर पाण्डेय ए राजेश मिश्र ए राजा राम मौर्यए रामप्रवेश मौर्य ए मनोज श्रीवास्तव ए सैब्या सिंह ए हरीश कुमार सिंह ए सूरज गुप्ता ए रविंद्र प्रसाद त्रिपाठी ए सुधीर पटेल प्रदीप कुमार सिंह समेत पब्लिक स्कूल के नन्हे मुनने बच्चे ए महिला पीजी कालेज की छात्राएं और पीजी कालेज के छात्र व्यवस्था में सक्रिय योगदान दिया । सभागार को सुरुचि पूर्ण ढंग से सजाया गया था । अभ्यागतो के स्वागत सत्कार और सम्मान में महाविद्यालय प्रबंधन ए प्रशासन ए ऋछात्राएं पलक पांवड़े बिछाए सक्रिय थे । संकल्प से सिद्धि तक एक ऋएक सोपान तय करते हुए आयोजन अपने उद्देश्य में पूर्ण रूप से सफल रहा । राष्ट्र गान से समापन के बादए दोपहर के स्वदेशी जेवनर के बाद कुलपति महोदय ए प्रोण् चौहान तथा अन्य गणमान्य काशी के लिए प्रस्थान कर गए ।

गलती किसी की हो, अपराधी पुल ही होगा

बने अथवा निर्माणाधीन पुल क्यों गिर गए, इसकी जांच-वांच चलती रहेगी। मजबूर बिहारवासी फिर नावों के सहारे या तैर कर नदियां पार कर रहे हैं और अपनी किस्मत को कोस रहे हैं। दूसरी तरफ गैर बिहारवासियों के मन में खौफ समा गया है बिहार से गुजरता खतरे से खाली नहीं है। पता नहीं बिहार के ही एक जाने माने कवि आलोक रंजन को अपने गृह राज्य में पुलों के धड़ाधड़ गिरने का पूर्वाभास था या नहीं, परंतु टूटे हुए पुल नामक उनकी कविता की ये कुछ पंक्तियां बहुत मौजूं हो उठी हैं- वैसे तो इन दिनो देश में घटिया और जल्दबाजी में किए गए निर्माणों तथा उनके उद्घाटनों की राजनीतिक जल्दबाजी के चलते पुलों, इमारतों, छज्जों के गिरने, ध्वस्त होने और ऐसे अप्रत्याशित हादसों में जान गंवाने की घटनाएं अचानक से बढ़ गई हैं, लेकिन बिहार में जिस तरह एक माह से भी कम समय में विभिनन नदी-नालों पर बने 13 पुल पुलिया गिरी हैं या गिर रही हैं, वह यही साबित करता है कि राज्य भ्रष्टाचार के पुल असली पुलों के मुकाबिल बहुत ज्यादा मजबूत हैं। ऐसे पुल, जिनके ध्वस्त होते जाने को लेकर किसी के माथे पर खास शिकन नहीं है। यानी पुल ही तो था, जो गिर गया। अब क्या करें का भाव। इसको लेकर मीडिया में बहुत हल्ला हुआ तो राज्य की नीतीश सरकार ने 15 इंजीनियरों को सस्पेंड कर दिया। ठेकेदारों पर कार्रवाई की बात भी कही जा रही है। चूंकि बिहार में नीतीश सरकार कपड़ों की मानिंद अपना आवरण बदलती है, इसलिए सभी पाटिर्यां घटिया पुल निर्माण के लिए एक दूसरे को जिम्मेदार बता रही हैं। इसमें भी यह सावधानी बरती जा रही है कि उसी पुल के बारे में सरकार को कटघरे में खड़ा किया जाए, जिस वक्त आरोपी पार्टी सत्ता में रही हो।इस बीच राज्य सरकार ने गिरे हुए पुलों को फिर से बनाने का आदेश दे दिया है। बने अथवा निर्माणाधीन पुल क्यों गिर गए, इसकी जांच-वांच चलती रहेगी।

DURGAWATI INTERNATIONAL
School & College Meja, Prayagraj
(AFFILIATED TO NEW DELHI I.C.S.E. (AFFILIATION No. UP 481)
Good News Good News

THE STUDENTS SCORING ABOVE 95% IN THE ENTRANCE EXAM ARE AWARDED WITH THE CONCESSION IN THE ENTIRE TUITION FEES OF THE WHOLE YEAR 2024-25 HURRY UP!!
HOSTEL FACILITY
★ AC hostel facilities are available for. the boys from class 3rd onwards.
★ Quality food
★ Personal care
★ 24/7 power backup
★ Special tuition classes for hostelers
★ Free health checkup per month.
★ Infirmary faciliti is also available
★ Well equipped laboratories and digital Library
पहले 50 छात्रों के प्रवेश शुल्क पर 100% की छूट
Admissions OPEN
PG to IX, XI
(AFFILIATED TO NEW DELHI ICSE (AFFILIATION No. UP 481)
SCHOOL FACILITIES
★ Affordable fee & High-tech infrastructure.
★ Spacious and colorful classrooms.
★ Trained teachers from Kerala & Prayagraj.
★ Free personality development.
★ English spoken classes for each student.
★ RO water and CCTV facilities.
★ Pick and drop facilities with full safety.
★ Trained PE Teacher along with
★ Spacious playground
Manager
Dr. (Smt.) Swatantra Mishra
(Psychologist)

Email : www.disaldd@gmail.com Durgawati International School
Call For Any Enquiry 7505561664
Contact No.: 7081152877, 7652002511, 9415017879

युवा शक्ति ने किया समाज कल्याण अधिकारी गौतमबुद्ध नगर का स्वागत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। चैलेंजर्स ग्रुप ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रिंस शर्मा और वाईएसएस फाउंडेशन के संस्थापक सचिन गुप्ता ने विकास भवन, गौतमबुद्ध नगर में समाज कल्याण अधिकारी सतिश कुमार का जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर दोनों संगठनों के प्रतिनिधियों ने गौतमबुद्ध नगर में चल रही समाज कल्याण योजनाओं को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए सहयोग करने की बात कही। प्रिंस शर्मा ने कहा युवाओं का समाज सेवा के प्रति समर्पण देखकर मैं बहुत प्रेरित हूं। हम मिलकर बुजुर्गों, असहायों और जरूरतमंदों की मदद करेंगे। सचिन गुप्ता ने बताया की यह सहयोग गौतमबुद्ध नगर के लिए एक नई शुरुआत है। हमारी संस्थाएं मिलकर कई नए कार्यक्रम शुरू करेंगी समाज कल्याण अधिकारी ने इस सहयोग के लिए दोनों सदस्यों का धन्यवाद किया और कहा कि युवाओं की ऊर्जा से समाज कल्याण के क्षेत्र में बहुत कुछ किया जा सकता है।

हनुमान मंदिर कॉरिडोर का निर्माण शुरू, महंत बलवीर गिरि ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच किया भूमि पूजन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। संगम तट पर स्थित श्री बड़े हनुमान जी मंदिर पर हनुमान कॉरिडोर का निर्माण मंगलवार को विधिवत शुभारंभ हो गया। मंदिर के महंत बलवीर गिरि ने वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच भूमि पूजन किया। संगम तट पर लेटे हनुमान मंदिर कॉरिडोर निर्माण के लिए शुभ मुहूर्त में मंगलवार सुबह भूमि पूजन किया गया। इसके साथ ही कॉरिडोर निर्माण की प्रक्रिया शुरू हो गई। मंदिर के महंत बलवीर गिरि, पीडीए के उपाध्यक्ष अरविंद चौहान, एसएसपी कुंभ राजेश द्विवेदी ने पूजा की। पीडीए और निर्माण एजेंसी की टीम बुधवार को जमीन की पैमाइश करेगी। इसके बाद कार्य शुरू होगा कॉरिडोर के निर्माण में सेना से जमीन की अदला-बदली की वजह से कुछ विलंब से हुआ। निर्माण के लिए सेना से यहां पर 11,186 वर्गमीटर यानी 2.76 एकड़ जमीन ली गई। इसके बदले में सेना को नीवां में 19 हजार वर्गमीटर जमीन दी गई। अदला-बदली की प्रक्रिया पूरी होने के बाद मंदिर परिसर में भूमि पूजन किया गया। इसके साथ ही मंदिर के पार्क के लिए बनाई गई चहारदीवारी तोड़ दी गई है। कॉरिडोर के लिए परिसर की पैमाइश पहले हो चुकी है। एक बार फिर से पैमाइश होगी और आसपास के कब्जे हटाए जाएंगे।पीडीए के वीसी ने बताया कि पहले चरण का काम दिसंबर तक पूरा कर लिया जाएगा। बाढ़ का पानी यहां तक आता है, इसलिए उससे पहले कई कार्य पूरे कराएं जाएंगे। बचे हुए कार्य महाकुंभ मेले के बाद किए जाएंगे। मंदिर में प्रवेश अक्षयवट मार्ग से होगा। भीड़ नियंत्रण के लिए घुमावदार व्यवस्था की गई है। इसके ऊपर छावनी रहेगी, जिससे श्रद्धालुओं को धूप में परेशानी नहीं होगी। इसके निर्माण पर 38.73 करोड़ रुपये खर्च होंगे। महंत बलवीर गिरि ने बताया कि कॉरिडोर बनने से श्रद्धालुओं और बेहतर सुविधा मिलेगी। उनकी सहमति से निर्माण होगा। पीडीए निर्माण कराएंगी और मरम्मत कार्य देखेगी। पूजा-पाठ में विभाग का कोई दखल नहीं होगा। इस मौके पर अपर मेला अधिकारी दयानंद प्रसाद, विवेक शुक्ला, पीडीए के जोनल अधिकारी आलोक पांडेय और संजीव उपाध्याय मौजूद रहे।कॉरिडोर के छह गेट बनाए जाएंगे। प्रवेश द्वार अक्षयवट मार्ग से और दो निकास शंकर विमान मंडपम के निकट होगा। इसके अलावा तीन गेट पूर्व दिशा में होंगे। पीडीए के चीफ इंजीनियर आशुतोष श्रीवास्तव ने बताया कि चहारदीवारी, शौचालय, पीने के पानी की व्यवस्था, फुटपाथ, रोड, इंटरलाकिंग, बेंच, 40 दुकानें, पार्किंग, निकास द्वार की सीढ़ियां और पुजारी ब्लॉक का निर्माण होगा। मुख्य मंदिर 535 वर्ग मीटर में बनेगा। कॉरिडोर एरिया 2184 वर्गमीटर का, क्यू एरिया 624 वर्गमीटर का, ओपन एरिया 6176 वर्ग का, कॉरिडोर रोड एरिया 1310 वर्ग मीटर का होगा। वहीं सीढ़ियां 760 वर्गमीटर में बनेगी।

बॉलीवुड/टेली मसाला

आलोचना की वजह सें जरीन खान ने घर से निकलना कर दिया था बंद कटरीना कैफ से तुलना पर बोलीं एक्ट्रेस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस जरीन खान उन चुनिंदा एक्ट्रेसेज में से हैं जिन्हें सलमान खान ने इंडस्ट्री में

लॉन्च किया था। हालांकि इंडस्ट्री में आने के बाद से ही उनकी तुलना कटरीना कैफ से की जाने लगी। अब इस बात पर जरीन खान ने एक इंटरव्यू में बात की है कि कैसे इस नेगेटिविटी ने उनके करियर पर बुरा असर डाला। जरीन ने साल 2010 में आई फिल्म वीर से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। हाल ही में जरीन भारती सिंह के पॉडकास्ट में नजर आईं। इस दौरान बातचीत में जरीन ने कहा, जरीन ने बताया कि वो बहुत ही ओवरवेट थीं और ऐसे में कटरीना कैफ से अपनी तुलना होते देखना मेरे लिए किसी कॉम्पलीमेंट से कम नहीं था, लेकिन इसका असर मेरे ऊपर उल्टा पड़ा। मैं इडस्ट्री में कहीं खो सी गई। मैं इंडस्ट्री में बहुत कम लोगों को जानती थी और उन्हें लगा कि मैं घमंडी हूं। ठवीर के बाद मेरी जिंदगी बहुत खराब हो गई। मुझे बहुत ही ज्यादा आलोचना का सामना करना पड़ा। ये फिल्म मेरे लिए लाइफ चेंजिंग मोमेंट थी। शुरुआत में तो मुझे अच्छा लगा कि मेरी तुलना कटरीना कैफ से की जा रही है लेकिन इंडस्ट्री के अंदर चीजें और खराब होती गईं।ठ जरीन ने आगे बताया कि एक समय पर ये आलोचना इतनी बढ़ गई थी कि मैं ज्यादातर घर पर ही रहना पसंद करती थी। बाहर निकलती थी तो लोग मेरे कपड़ों पर कमेंट करते थे जिसका मेरे ऊपर नेगेटिव असर पड़ा। सभी ने मुझे एक फेलियर की तरह देखा। एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि इस वजह से उन्हें काम मिलना भी बंद हो गया जिसकी वजह से वो अपने बिल्स चुकाने में भी असमर्थ थीं। जरीन खान को आखिरी बार साल 2021 में फिल्म 'हम भी अकेले तुम भी अकेले' में देखा गया था।

आसिम रियाज के तेवर देख भड़की आरती सिंह, बोलीं - सफलता लोगों के सिर पर चढ़ जाती है

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। रियलिटी टीवी शो खतरों के खिलाड़ी इस समय सुखिर्यों में बना हुआ है। इसकी एक वजह

आसिम रियाज की ओर से क्रिएट की गई कंट्रोवर्सी है। दरअसल आसिम की एक कंटेस्टेंट के साथ बहस हो जाती है जिसके बाद रोहित शेट्टी उन्हें समझाने जाते हैं और वो उनसे भी बहुत गंदे तरीके से बात करते हैं। इसके बाद आसिम को शो से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। आरती सिंह ने रखी अपनी बात अब इस बात पर आरती सिंह ने रिएक्टकिया है जो बिग बॉस 13 में आसिम रियाज के साथ थीं। पिंकविला से हुई बातचीत में आरती ने कहा, मुझे लगता है कई बार सफलता आपके सिर पर चढ़ जाती है और लोग अपना प्लॉट भूल जाते हैं। आसिम रियाज के साथ यही हुआ है। भगवान उसे सद्बुद्धि दे और दिमाग ठीक रखे बस क्योंकि जहां से दिमाग खराब होता है वहां से डाउनफॉल होना शुरू हो जाता है। आरती ने कहा कि ये बहुत ही निराशाजनक है। मैंने उनके साथ काम जरूर किया है लेकिन लगता है सक्सेस बहुत लोगों को बदल देती है। मुझे इस पर बहुत दुख है। मेकर्स के साथ बुरा व्यवहार करना, टीम या यहां तक ??कि रोहित सर के साथ बहुत ही गलत है। अरती ने आगे कहा कि मैंने कई सारे कमेंट्स पढ़े जिसमें लोग कह रहे थे कि आसिम बिग बॉस में सलमान खान के सामने ऐसा करने की हिम्मत बिल्कुल नहीं कर पाता। ये बात बिल्कुल सही भी है। पता नहीं रोहित सर इतना सब होने के बावजूद इतने शांत कैसे रह गए? मैं उनको सलाम करती हूं। दरअसल आसिम रियाज को एक स्टंट करना था जिसे करने में वो फेल हो जाते हैं। इसके बाद वो मेकर्स पर आरोप लगाते हैं कि ये टास्क कोई नहीं कर पाएगा। एक्टर ने कहा कि अगर ये टास्क कोई करके दिखा देता है तो वो शो से एक रुपया भी नहीं लेंगे। इसके बाद आसिम की टीम के कुछ लोगों से बहस हो जाती है और गरमागर्मी का माहौल बन जाता है। वहीं शो के होस्ट रोहित शेट्टी भी उन्हें कड़ी फटकार लगाते हैं।

कछुए की चाल चल रही है 'बैड न्यूज' क्या निकाल पाई फिल्म का बजट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। विक्की कौशल की फिल्म

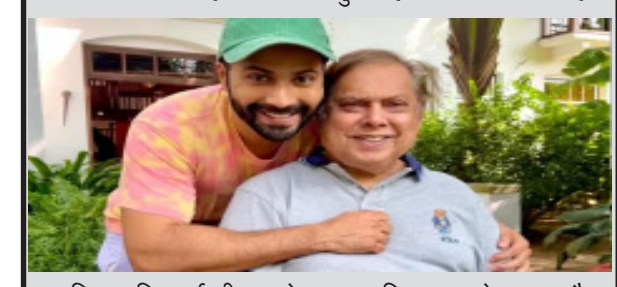

'बैड न्यूज' को सिनेमाघरों में रिलीज हुए 10 दिन से ज्यादा का समय बीत चुका है। समीक्षकों से अच्छी प्रतिक्रिया पाने वाली रोमांटिक कॉमेडी फिल्म का पहला सप्ताह काफी अच्छा रहा था। आनंद तिवारी की फिल्म में दर्शकों को विक्की और एमी विर्क (ंर्स्स्ब् न्नैट) का ब्रोमांस देखने को मिला। वहीं तृप्ति डिमरी ने भी फिल्म में अपनी सिजलिंग परफॉर्मेंस से सभी का दिल जीत लिया। बैड न्यूज की बॉक्स ऑफिस पर शुरुआत ठीक-ठाक हुई थी।फिल्म की कमाई बढ़ी और पहले वीकेंड पर विक्की की मूवी को थिएटर में भर भरकर ऑडियंस मिली। हालांकि, अब एक बार फिर से मूवी घरेलू बॉक्स ऑफिस पर कछुए की रफ्तार चलने लगी है। अब तक फिल्म अपना बजट भी नहीं निकाल पाई है। मंगलवार को डेढ़ करोड़ भी नहीं कमा पाई बैड न्यूज विक्की कौशल और तृप्ति डिमरी स्टारर बैड न्यूज का सब्जेक्ट काफी अलग है। यह मूवी मेडिकल कंडीशन हेट्रोपैटर्नल सुपरफेकंडेशन के बारे में लोगों को अवेयर करती है। धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बनी इस फिल्म की यूनिक कहानी ने भी एक हफ्ते तकरीबन लोगों का खूब मनोरंजन किया, लेकिन अब वर्किंग डेज पर 'अखिल चड्डा' (न्नम्ब् र्रेर्ल्प्ट) की मूवी को थिएटर में दर्शक मिलने कम हो गए हैं, जिसका सबूत इसकी घटती हुई कमाई है।सैकनलिक.कॉम की रिपोर्ट्स के मुताबिक, मंगलवार को बैड न्यूज ने घरेलू बॉक्स ऑफिस सिंगल डे पर 1.43 करोड़ तक की कमाई की है। डोमेस्टिक बॉक्स ऑफिस (ंर्दे ध्रिम) पर फिल्म ने 12 दिनों के अंदर अब तक 54.63 करोड़ का बिजनेस किया है। हालांकि, फिल्म अभी भी अपना बजट निकालने से काफी दूर है। बैड न्यूज का टोटल बजट तकरीबन 80 करोड़ के आसपास का बताया जा रहा है।

लवकेश कटारिया के बिग बॉस ओटीटी 3 से एलिमिनेशन के बाद यूजर्स ने मचाया बवाल, बोले-कर देंगे सिस्टम हैंग

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बिग बॉस ओटीटी 3 अपने फिनाले से बस अब चंद दिन ही दूर है। अनिल कपूर का ये

सीजन महज डेढ़ महीना ही चला और हर हफ्ते दो से तीन कंटेस्टेंट शो से एलिमिनेट होते गए। स्टैंडअप कॉमेडियन मुनव्वर फारूकी के शो में आने से पहले इस शो में केवल सात कंटेस्टेंट्स ने फिनाले वीक में अपनी जगह बनाई थी, लेकिन उनके जाते ही दो और मजबूत घरवालों का पत्ता शो से साफ हो गया। ट्रॉफी पाने के बेहद नजदीक पहुंच चुके अरमान मलिक और लवकेश कटारिया आखिरी हफ्ते में शो से बाहर हो गए। अरमान मलिक के जाने से तो लोगों को खासी निराशा नहीं हुई, लेकिन लव कटरिया को निकालने पर लोग भड़क उठे हैं। विशाल पांडे के एलिमिनेशन के बाद अब यूजर्स लवकेश कटारिया के एविक्ट होने से बेहद ही खफा है। एक्स अकाउंट (ऊँग्री) पर भी बिग बॉस ओटीटी 3 के मेकर्स पर यूजर्स का गुस्सा फूट रहा है और वह जियो सिनेमा को अनइंस्टॉल करने और बिग बॉस ओटीटी 3 को बायकॉट करने की बात कह रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, ठएल्विश आर्मी सिस्टम हैंग कर दो बिग बॉस का। शो को बायकॉट करो, कटारिया का एविक्शन भी अनफेयर है। दूसरे यूजर ने लिखा, ठबिग बॉस के अंदर मेरे ये 4 फेवरेट थे, इन्होंने ही शो में सबसे ज्यादा कंट्रीब्यूट किया, लेकिन शेमलेस बिग बॉस ने पहले विशाल पांडे फिर शिवानी कुमारी को शो से बाहर निकाला फिर लवकेश कटारिया को भी बाहर कर दिया। मेकर्स ने एक भी वीकेंड के वार में अरमान मालिक और रणवीर शौरी को कुछ नहीं कहा, साफ साफ फेवरेटिज्म दिखता है। अब शो में कृतिका और साई केतन जैसे लोग बचे हैं जिन्होंने पूरे बिग बॉस ओटीटी 3 कुछ भी नही कियाठ। एक और अन्य यूजर ने लिखा, पहले शिवानी कुमारी को निकाला, अब लव कटारिया को बाहर कर दिया। बिग बॉस पहले से स्क्रिप्टेड होता है। ऐसे शो को बायकॉट करो। आपको बता दें कि इस बार कई कंटेस्टेंट का एविक्शन घरवालों के फैसले के आधार पर ही हुआ है। आखिरी हफ्ते में घरवालों को नॉमिनेटेड कंटेस्टेंट में से एक को बेघर करना था, जिसमें रणवीर शौरी, कृतिका मलिक, अरमान मलिक और साई केतन राव ने लवकेश का नाम लिया। वहीं अरमान दर्शकों के वोटों के आधार पर बाहर हो गए।

हिना खान कैंसर के इलाज के बीच भी कर रही हैं काम

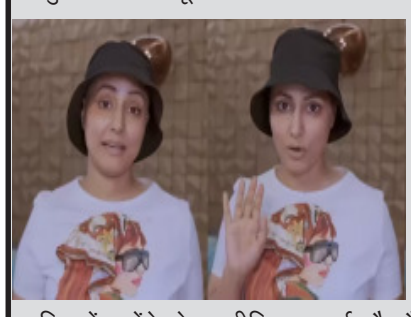

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। टीवी और बॉलीवुड अभिनेत्री हिना खान के लिए ये वक्त बेहद कठिन साबित हो रहा है। एक्ट्रेस पिछले कुछ वक्त से ब्रेस्ट कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी से गुजर रही हैं। जून महीने के

आखिर में उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए बताया था कि वह ब्रेस्ट कैंसर की तीसरी स्टेज पर है और इसका इलाज करवा रही हैं। इस खबर के बाद हिना के फैंस और उनका परिवार उनके लिए दुआ कर रहा हैं। इतना ही नहीं अभिनेत्री भी अपने फैंस को अपना लगातार अपडेट देती नजर आ रही है। हिना लगातार सोशल मीडिया पर एक्टिव हैं और अपनी इस जर्नी का हर एक पल फैंस के साथ शेयर कर रही हैं। हिना खान इस वक्त अपने स्टेज थ्री ब्रेस्ट कैंसर की लड़ाई लड़ रही है। इस दौरान उन्हें दर्दनाक कीमोथेरेपी सेशन से गुजरना पड़ रहा है। ऐसे में उन्होंने अपने बालों को भी खो दिया है। बीते दिनों एक्ट्रेस ने अपने बालों को छोटा करवाया था। तो वहीं अब उन्होंने बालों को पूरी तरह से शेव कर लिया है। उन्होंने मंगलवार को अपना एक नया वीडियो शेयर किया, जिसमें वह अपने स्किन केयर रूटीन शेयर करती दिखाई दे रही है। बता दें, ये एक एड शूट वीडियो है, जिसमें हिना ने व्हाइट कलर की टी-शर्ट और ब्लैक कलर की सिर पर टोपी पहनी हुई है, जिससे उनका सिर ढका हुआ है। हिना अपना नो-मेकअप लुक फ्लॉन्ट करती नजर आईं। इस वीडियो पर हिना खान को देखते हुए उनके चाहने वालों ने जमकर कमेंट्स कर रहे हैं। टीवी अभिनेता नकुल मेहता ने लिखा, 'चैंपियन'। एक्ट्रेस दृष्टि धामी ने ब्रेवरी वाले इमोजी बनाए है। इसके अलावा एक फैन ने लिखा- 'वह बालों के साथ और बिना बालों के भी काफी सुंदर दिखती हैं।' एक अन्य यूजर ने लिखा- सबसे मजबूत महिला। ढेर सारी दुआएं आपके लिए।

पुष्पा 2 के सेट से लीक हुआ क्लाइमैक्स फाइट सीन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। साउथ के सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की आने वाली फिल्म 'पुष्पा 2' का फैंस बेसब्री से इंतजार

कर रहे हैं। ये मूवी साल 2024 की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक है, जिसका बज पिछले काफी महीनों से बना हुआ सुकुमार के निर्देशन में बनी ये फिल्म पहले 15 अगस्त के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही थी, लेकिन इसकी तारीख बदलकर इसे अब दिसंबर में रिलीज करने की प्लानिंग हो चुकी है। ऐसे में अब सोशल मीडिया पर फिल्म के सेट का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसे देख फैंस के होश उड़ गए हैं।अल्लू अर्जुन एक बार फिर पर्दे पर पुष्पा बनकर लौटने को तैयार है, लेकिन इससे पहले मूवी के क्लाइमैक्स फाइट सीन का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें कुछ कलाकार और क्रू मेंबर्स सीन को शूट करते नजर आ रहे हैं। वीडियो को अगर ध्यान से देखा जाए तो एक शख्स है जो खून से लथपथ है और हार्नेस यानी केबल की तार से लटका हुआ नजर आ रहा है और बाकि लोग केबल को खींचते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो को देख जहां कई फैंस खुश होते नजर आ रहे हैं। तो वहीं कुछ अपना गुस्सा जाहिर कर रहे हैं। उनका कहना है कि इस वीडियो को इंटरनेट से हटा देने चाहिए। एक यूजर ने लिखा- इस वीडियो को हटा दे। दूसरे ने लिखा, 'प्लीज वीडियो हटा दें! हमारे लिए क्लाइमैक्स खराब ना करें।' तो वहीं एक यूजर ने लिखा- वाह क्या सीन है, इसे देखकर अब तो 'पुष्पा 2' का इंतजार नहीं हो रहा। पुष्पा 2 इस साल 6 दिसंबर को थिएटर्स में रिलीज होने वाली है। फिल्म में अल्लू अर्जुन के साथ एक बार फिर रश्मिका मंदाना फीमेल लीड में नजर आएंगी। वहीं, फहद फासिल विलेन के किरदार में दिखाई देंगे। इसे कई भाषाओं में रिलीज किया जाएगा।

बेटे वरुण धवन को बैंकर बनना देखना चाहते थे पापा डेविड धवन, सालों बाद खुद डायरेक्टर ने किया खुलासा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन ने साल 2012 में करण जौहर की फिल्म स्टूडेंट ऑफ द इय्यर से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। अभिनेता की पहली फिल्म

सुपरहिट साबित हुई थी। इसके बाद वरुण ने पीछे मुड़कर नहीं देखा और पर्दे पर एक से बढ़कर एक सुपरहिट मूवी में काम किया। उन्होंने अपने पिता और मशहूर निर्माता डेविड धवन के साथ भी काम किया हुआ है। ऐसे में अब डायरेक्टर ने बेटे के करियर को लेकर सालों बाद एक दिलचस्प बात बताई है।फिल्म निर्माता डेविड धवन हाल ही में अरबाज खान के शो 'द इन्विंसिबल' में नजर आए। जहां उन्होंने बताया कि वो और उनकी पतनी लल्ली धवन चाहते थे कि उनका बेटा एक बैंकर की नौकरी करे। विदेश में अपनी पढ़ाई के बाद वरुण से पूछा था कि वह क्या करना चाहते हैं, जिस पर लल्ली ने बैंकिंग करियर का सुझाव दिया क्योंकि यह काफी फेमस हो रहा था, लेकिन वरुण का इरादा तो एक्टिंग में आने का था। आगे डायरेक्टर ने बताया कि उन्होंने ''वरुण ने काम मांगने के लिए चुपचाप करण जौहर से संपर्क किया था और इस बारे में वह कुछ नहीं जानते थे। आगे उन्होंने कहा कि, वरुण ने करण जौहर की सहायक के तौर पर काम करने का विकल्प चुनकर सभी को आश्चर्यचकित कर दिया। इसके बाद वह करण के साथ माई नेम इज खान की शूटिंग करने के लिए विदेश चले गए। डेविड ने आगे कहा, ''करण हमारे घर आए और कहा कि वह उन्हें लॉन्च करना चाहते हैं और उन्होंने सिद्धार्थ मल्होत्रा ??के साथ एक फोटोशूट किया। वरुण धवन के वर्कफ्रंट की बात करें, तो उन्हें आखिरी बार अभिनेत्री जाह्नवी कपूर 'बवाल' में देखा गया था। अब जल्द अभिनेता सामंथा रुथ प्रभु के साथ सिटाडेल के हिंदी वर्जन में नजर आएंगे। इसके अलावा बेबी जॉन, भेडि़या 2, नो एंट्री 2 और सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में नजर आएंगे।

राम चरण की बहन निहारिका ने चैतन्य जेवी संग अपने तलाक पर किया रिएक्ट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। साउथ सिनेमा के सुपरस्टार राम चरण की कजिन बहन और एक्ट्रेस निहारिका

कोनिडेला अपनी प्रोफेशनल लाइफ से ज्यादा पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में रहती हैं। इस बार भी कुछ ऐसा ही हुआ है। बता दें, बीते साल एक्ट्रेस का चैतन्य जेवी से तलाक हो गया था। अब उन्होंने इस पर खुलकर बात की है। दएक्ट्रेस निहारिका कोनिडेला ने हाल ही में ग्रेट आंध्रा को इंटरव्यू दिया था, जिसमें उनसे पूछा गया था कि क्या वह व्यक्तिगत रूप से बेहतर जगह पर है। इस पर उन्होंने कहा- वो बादल छंट गया है, फिलहाल मैं अपने काम पर फोकस कर रहा हूं।' मैं अच्छी फिल्मों में अभिनय और निर्माण दोनों के लिए उत्सुक हूं।ठ इसके अलावा उनसे जब पूछा कि क्या दोबारा प्यार पाने के लिए सवाल किया तो उन्होंने कहा- मैं सिर्फ खुश रहना चाहती हूं, चाहे वह सिंगल हो या किसी के साथ। मैं प्रकृति के विरुद्ध नहीं जाना चाहती या उसकी खोज में नहीं जाना चाहती। अगर वह होता है, तो होता है। मेरे माता-पिता भी मुझे जगह देते हैं, भले ही वे चाहते हों कि मैं किसी को ढूंढूं, लेकिन वे मुझ पर दबाव नहीं डालते हैं।' बता दें, साल 2020 में चैतन्य जेवी और निहारिका कोनिडेला ने शादी की थी। करीब तीन साल बाद इस कपल ने तलाक ले लिया। जुलाई 2023 में एक्ट्रेस ने तलाक की घोषणा करते हुए पोस्ट शेयर किया था। हालांकि, तलाक का कारण अभी तक समाने नहीं आया। बता दें, निहारिका एक्टर और प्रोड्यूसर नागेंद्र बाबू की बेटी हैं, जो चिरंजीवी के भाई हैं। राम चरण के अलावा अल्लू अर्जुन और अल्लू शिरीष भी निहारिका के कजिन हैं। निहारिका के भाई वरुण तेज भी तेलुगु सिनेमा के जाने-माने कलाकार हैं। निहारिका कोनिडेला ने अपनी पहचान अपने दम पर बनाई है। तेलुगु फिल्मों में उनकी खास पॉपुलैरिटी है। फिल्मी करियर के दौरान निहारिका कोनिडेला ने 'ओका मनासू और मुद्दाप्पू अवाकई और सूर्यकांत' जैसी फिल्मों में काम किया है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोट:- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।